RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः88 , मंगलवार, 12 मई 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8

9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

महिला सशक्तिकरण को नई उड़ानः सेंट्रल बैंक और जीविका की समन्वय बैठक में बनी ग्रामीण ... 03

*बीएनएम इम्पैक्ट : हरसिद्धि- सोनबरसा झील के विकास को लेकर प्रशासन सक्रिय... 04

रश्मिका ने 'माइसा' की शूटिंग पूरी होने पर जताई खुशी 07

संक्षिप्त समाचार

केरल में सीएम को लेकर शुरू हो गया पोस्टरवार

● टेंशन में कांग्रेस, मुख्यमंत्री की रेस में हैं तीन नाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल में मुख्यमंत्री पद को लेकर तीन दावेदार बताए जा रहे हैं। पहला नाम है वीडी सतीशन, दूसरा केसी वेणुगपाल और तीसरा नाम रमेश चेन्निथला का है। इन नामों को लेकर सड़कों पर पोस्टरवार भी शुरू होगया है जिससे कांग्रेस टेंशन में आ गई है। अप्रैल महीने में देश के पांच राज्यों में चुनाव करवाए गए। दो राज्यों को उनके मुख्यमंत्री मिल चुके हैं। पश्चिम बंगाल में शुभेंदु अधिकारी मुख्यमंत्री पद की शपथ ले चुके हैं तो वहीं रविवार को

तमिलनाडु में टीवीके चीफ विजय ने भी अपना पद संभाल लिया। मंगलवार को असम में हिमंत बिस्व सरमा शपथ लेने वाले हैं लेकिन अभी केरल में मुख्यमंत्री के नाम पर ही फैसला नहीं हो पाया है। यहां कांग्रेस के अगुआई वाले गठबंधन यूडीएफ की जीत हुई है और ऐसे में कांग्रेस को ही मुख्यमंत्री को लेकर फैसला करना है। **मुख्यमंत्री बनाने को लेकर कांग्रेस गुटबाजी से टेंशन में–** कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि मुख्यमंत्री का फैसला शीर्ष नेतृत्व को करना है और इसका फैसला भी हो चुका है। केवल अब नाम का ऐलान करना बाकी रह गया है। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि नाम का ऐलान कब किया जाएगा।

ट्रम्प ने जंग रोकने के लिए ईरान का प्रस्ताव ठुकराया

● मुझे पसंद नहीं आया, अमेरिका ने एनरिच्ड यूरेनियम सौंपने की शर्त रखी

तेहरान/वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के नए शांति प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। ट्रम्प ने ट्रूथ सोशल पर लिखा, मैंने ईरान के प्रतिनिधियों का जवाब पढ़ा। मुझे यह बिल्कुल पसंद नहीं आया। इसे स्वीकर नहीं किया सकता। इससे पहले भी ट्रम्प ने ईरान पर खेल खेलने का आरोप लगाया था। ईरानी सरकारी मीडिया के मुताबिक, तेहरान ने रविवार को पाकिस्तान के जरिए अमेरिका को अपना नया प्रस्ताव भेजा। रिपोर्ट के मुताबिक,

प्रस्ताव में युद्ध खत्म करने, फारस की खाड़ी और होर्मुज स्ट्रेट में समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करने, प्रतिबंध हटाने और परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत की बात कही गई थी। अमेरिका ने इस हफ्ते ईरान को 14 सूत्रीय प्रस्ताव भेजा था। इसके तहत ईरान को कम से कम 12 साल तक यूरेनियम संवर्धन रोकना होगा और अपने पास मौजूद करीब 440 किलो एनरिच्ड यूरेनियम अमेरिका को सौंपना होगा। इसके बदले अमेरिका प्रतिबंधों में ढील देगा, ईरान की फ्रीज की गईं अरबों डॉलर की संपत्तियां छोड़ेगा, साथ ही ईरानी बंदरगाहों पर लगी नौसैनिक नाकेबंदी हटाएगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम और हाईली एनरिच्ड यूरेनियम पर पूरी तरह समझौता करने को तैयार नहीं है।

होर्मुज में भारतीय की मौत के बाद ऐक्शन में सरकार

● अब ब्रिक्स के मंच पर ईरान से होगी भारत की बातचीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में जारी तनाव और हाल ही में यहां गुजरात की एक नाव डूबने से एक भारतीय की मौत के बाद भारत सरकार ऐक्शन में आ गई है। भारत इस सप्ताह नई दिल्ली में होने वाली ब्रिक्स के शेरपा और विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान इस मुद्दे को उठाएगा और ईरान से इस पर बातचीत करेगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों देशों के बीच अहम बैठक होगी जहां भारत अपने फंसे हुए जहाजों को निकालने और सुरक्षित रास्ता सुनिश्चित कराने के लिए ईरान से बातचीत करेगा। बता दें कि दुनिया के सबसे प्रमुख जलमार्गों से से एक होर्मुज में बीते मार्च महीने से ही तनाव जारी है। अमेरिका और

ईरान दोनों ने ही इस रास्ते पर प्रतिबंध लगा दिए हैं जिससे जहाजों की आवाजाही ठप हो गई है। भारत के लिए यह रास्ता बेहद अहम है क्योंकि युद्ध शुरू होने से पहले भारत के कच्चे तेल आयात का 40 फीसदी और एलपीजी आयात का 90 फीसदी हिस्सा यही से गुजरता था। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में तनाव बढ़ने के बाद से भारत के 11 जहाज ही यहां से बाहर निकल पाए हैं, जबकि 13 जहाज अभी भी फारस की खाड़ी में फंसे हुए हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल के मुताबिक इस मसले पर चर्चा जारी है।

भारतीय की मौत से बढ़ी टेंशन

इस बीच एक भारतीय की मौत से चिंताएं बढ़ गई हैं। शुक्रवार को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के पास आग लगने से एक लकड़ी की नाव पलट गई, जिसमें एक भारतीय नाविक की मौत हो गई। इसमें 18 भारतीय सवार थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक मरने वाला नाविक गुजरात का निवासी था और नाव का नाम अल फैज नूरे सुलेमानी 1 था। यह नाव सात मई को दुबई से रवाना हुई थी और यमन के मुक्कम जा रही थी। 8 मई को लगभग एक बजे इस रास्ते को पार करते समय इस पर गोलीबारी हुई और यह हादसा हो गया। जानकारी के मुताबिक यह अहम बैठक 14-15 मई को होगी। समूह के विदेश मंत्रियों की इस बैठक में ईरान के डिप्टी विदेश मंत्री हिस्सा ले सकते हैं। इससे पहले ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची के भी बैठक में हिस्सा लेने की चर्चा थी, हालांकि तनाव बढ़ने के बाद इसकी संभावना कम है। ईरान के अलावा रूस, ब्राजील सहित अन्य सदस्य देशों के प्रतिनिधि भी हिस्सा लेंगे।

राजस्थान में खुलेगा प्रदेश का पहला 'गोट' बैंक

● दुर्लभ बिल्ली ने बकरी मारी तो अब सरकार देगी बकरी

● शिकार के शक में लोगों ने जलाकर मार दी थी कैरेकल

जैसलमेर (एजेंसी)। राजस्थान के जैसलमेर में दुर्लभ वन्यजीव कैरेकल कैट (सियागोश) को बचाने के लिए वन विभाग प्रदेश का पहला गोट बैंक (बकरी बैंक) शुरू करने जा रहा है। यह कदम मार्च 2026 में हुई उस दिल दहला देने वाली घटना के बाद उठाया गया है, जिसमें ग्रामीणों ने अपनी 50 बकरियों के शिकार के शक में एक दुर्लभ कैरेकल को जिंदा जला दिया था। वाइल्डलाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया के साथ मिलकर तैयार इस प्रोजेक्ट का मकसद रिवेंज

किलिंग (बदले की हत्या) को रोकना है। अब अगर कैरेकल किसी की बकरी का शिकार करेगा, तो विभाग मुआवजे की कागजी कार्रवाई के बजाय सीधे बकरी बैंक से नई बकरी पशुपालक को सौंप देगा। **50 बकरियों के बदले जला दी कैरेकल–** मार्च 2026 में जैसलमेर के सरहदी इलाके में एक जला हुआ कैरेकल मिला था। ग्रामीणों ने वीडियो भी वायरल किया था पूछताछ में सामने आया कि कैरेकल ने ग्रामीणों की करीब 50 बकरियां मार दी थीं। गुस्से में ग्रामीणों ने पैरों के निशान का पीछा किया और कैरेकल को घेरकर मार डाला। भारत में अब महज 50 कैरेकल बचे हैं, जिनमें से जैसलमेर में सिर्फ 4 के कुनबे की पुष्टि हुई है। जैसलमेर के डीएफओ शुभम कुमार कहते हैं- हमारा टारगेट इंसानों और कैरेकल के बीच के संघर्ष को कम से कम करना है। सरहदी इलाकों में इनकी मौजूदगी हमारे इकोसिस्टम के लिए गर्व की बात है। हम चाहते हैं कि ग्रामीण इन्हें दुश्मन न समझें। कैरेकल एक शर्मीला लेकिन बेहद फुर्तीला शिकारी है।

बॉर्डर पर फेंसिंग: बीएसएफ को मिलेगी जमीन

● वेस्ट बंगाल की भाजपा सरकार ने लिया सबसे बड़ा फैसला ● नए आपराधिक कानून लागू होंगे, आयुष्मान पर भी काम शुरू

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर फेंसिंग के लिए बीएसएफ को जमीन देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अवैध घुसपैठ से निपटने के लिए 45 दिन के भीतर यह जमीन गृह मंत्रालय को सौंप दी जाएगी। हावड़ा के नाबन्ना में नवनिर्वाचित बीजेपी सरकार की पहली कैबिनेट बैठक हुई।

सीएम अधिकारी ने कहा कि यह फैसला बैठक में लिए गए मुख्य प्रस्तावों में से एक था। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि टीएमसी सरकार ने राज्य में पुराने आईपीसी और सीआरपीसी की जगह नए आपराधिक कानून भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) को लागू नहीं किया था। राज्य में अब बीएनएस लागू करने की आधिकारिक मंजूरी दे दी गई है। केंद्र सरकार की आयुष्मान भारत और जन आरोग्य योजना भी लागू की जाएंगी।

सुवेंदु कैबिनेट की बैठक के बड़े फैसले

चुनावी हिंसा में मारे गए 321 बीजेपी कार्यकर्ताओं के परिवारों की जिम्मेदारी राज्य सरकार उठाएगी। भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने के लिए बीएसएफ को जमीन ट्रांसफर करने की प्रक्रिया शुरू की है। इसे 45 दिनों के भीतर पूरा कर लिया जाएगा। आयुष्मान भारत योजना समेत केंद्र की सभी योजनाएं जल्द ही लागू होंगी। उज्ज्वला योजना से जुड़ी सभी लंबित याचिकाएं केंद्र के पास भेजी गई हैं। आईएएस और आईपीएस अधिकारियों को सेंट्रल ट्रेनिंग की परमीशन दी जाएगी। बंगाल में बीएनएस लागू नहीं था, राज्य में इसे तत्काल प्रभाव से लागू किया जाएगा।

● **बांग्लादेश से लगती है बंगाल की 2216 किमी सीमा–** भारत, बांग्लादेश के साथ 4,097 किलोमीटर लंबी बॉर्डर शेयर करता है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुसार लगभग 3,240 किलोमीटर की सीमा पर बाड़ लगाई जा चुकी है और लगभग 850 किलोमीटर, जिसमें 175 किलोमीटर का दुर्गम भूभाग भी शामिल है, इस पर बाड़बंदी होनी बाकी है। अधिकारी ने दावा किया कि प्रस्तावित 127 किलोमीटर के खंड में से केवल लगभग 8 किलोमीटर के हिस्से को ही ममता बनर्जी की सरकार के कार्यकाल में फेंसिंग की गई थी। पश्चिम बंगाल की बांग्लादेश के साथ लगभग 2,216 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा लगती है। यह भारत-बांग्लादेश की सबसे लंबी स्टेट बॉर्डर है। 2021 में केंद्र सरकार ने बंगाल में बॉर्डर पर बीएसएफ के अधिकार क्षेत्र को 15 किमी से बढ़ाकर 50 किमी कर दिया था।

विश्वभर की शक्तियां भारत को दबोचने मैदान में उतरीं, हम डटे रहे, डरे नहीं

● प्रधानमंत्री मोदी ने कहा-पोकरण परमाणु परीक्षण से हिल गई थी पूरी दुनिया ● सोमनाथ मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा के 75 साल पूरे होने के मौके पर हुए शामिल

जामनगर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को गुजरात के सोमनाथ मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा के 75 साल पूरे होने के मौके पर कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कहा- आज का दिन एक और वजह से भी खास है। आज के ही दिन 11 मई 1998 को देश ने पोकरण में परमाणु परीक्षण किया था। तब दुनिया भर की शक्तियां भारत को दबोचने मैदान में उतर गई थीं। पीएम ने कहा- भारत के लिए सारे रास्ते बंद कर दिए गए थे। लेकिन हम डरे नहीं, डटे रहे। भारत ने पोकरण परमाणु परीक्षण को ऑपरेशन शक्ति नाम दिया था। क्योंकि शिव के साथ शक्ति आराधना ही हमारी परंपरा रही है। मैं भगवान सोमनाथ के चरणों में नमन करते हुए ऑपरेशन शक्ति की बधाई देता हूं।

● **पीएम बोले- भारत को कोई झुका नहीं सकता**

सोमनाथ हमें याद दिलाता है कि कोई भी राष्ट्र तब तक मजबूत नहीं बन सकता, जब तक वह अपनी जड़ों से जुड़ा न रहे। भारत में विरासत और आधुनिकता एक-दूसरे से अलग नहीं हैं, दोनों साथ-साथ चलते हैं। हमारे देश में सांस्कृतिक और पवित्र स्थलों के पुनर्निर्माण को लेकर काफी राजनीति हुई है। दुर्भाग्य से आज भी ऐसी ताकतें हैं, जो राष्ट्रीय स्वाभिमान से ज्यादा तुष्टिकरण को महत्व देती हैं। लुटेरों ने सोमनाथ मंदिर की भव्यता मिटाने की कोशिश की। इस मंदिर को बार-बार तोड़ा गया, लेकिन हर बार इसका पुनर्निर्माण हुआ। दुनिया की कोई ताकत भारत को झुका नहीं सकती और न ही दबा सकती है।

● **वाजपेयी सरकार में हुआ था दूसरा परमाणु परीक्षण–** 11 मई 1998 को अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में भारत ने अपना दूसरा परमाणु परीक्षण किया था। यह काफी गोपनीय ऑपरेशन था। इसकी तैयारियां इतनी गुप्त थीं कि विदेशी खुफिया एजेंसियों को इसकी भनक तक नहीं लगी। इन परीक्षणों के जरिए भारत ने दुनिया को अपनी रणनीतिक और वैज्ञानिक ताकत दिखाई। लेकिन परमाणु परीक्षणों के बाद अमेरिका, जापान और कुछ पश्चिमी देशों ने भारत पर कई आर्थिक और तकनीकी प्रतिबंध लगाए थे।

राहुल बोले- देश चलाना मोदी के बस की बात नहीं

सोना न खरीदें, विदेश न जाएं जैसी 7 अपीलें उपदेश नहीं, नाकामी के सबूत

नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी ने सोमवार को पश्चिम एशिया में चल रहे संकट से निपटने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी की हालिया सात अपीलों पर पलटवार किया। उन्होंने इसे नाकामी करार दिया। कहा कि अब देश चलाना प्रधानमंत्री के बस में नहीं रह गया है। एक्स पर एक पोस्ट में राहुल ने लिखा, कल मोदी जी ने जनता से त्याग मांगा। सोना मत खरीदो, विदेश मत जाओ, पेट्रोल कम इस्तेमाल करो, खाद और खाने के तेल का उपयोग घटाओ, मेट्रो से चलो, घर से काम करो। ये उपदेश नहीं हैं। ये विफलता हैं। उन्होंने कहा, 12 साल में देश को इस मुकाम पर ला दिया है कि जनता को बताना पड़ रहा है।

क्या खरीदें, क्या नहीं। कहां जाए, कहां नहीं।' दरअसल, रविवार को सिकंदराबाद में एक जनसभा में पीएम मोदी ने आयात पर निर्भरता कम करने की जरूरत पर जोर दिया था, ताकि विदेशी मुद्रा की बचत और पर्यावरण की रक्षा हो सके। **पीएम ने कहा था- भारत में तेल के कुएं नहीं, पेट्रोल कम यूज करें–** पीएम मोदी रविवार को कहा था, आज के समय में पेट्रोल, गैस और डीजल का इस्तेमाल कम करना होगा। पड़ोस में चल रहे युद्ध के असर से दुनियाभर में पेट्रोल-डीजल के दाम कई गुना बढ़ गए हैं। भारत पर इस वैश्विक संकट का असर ज्यादा है, हमारे पास तेल के बड़े कुएं नहीं हैं।

बंगाल में 'राम' की जीत में 'वाम' का हाथ

● टीएमसी से परेशान कम्युनिस्ट वोटरों ने चुनी भगवा राह!

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के परिणामों ने न केवल सत्ता बदली है, बल्कि राज्य के दशकों पुराने राजनीतिक समीकरणों को भी उलट दिया है। भाजपा की इस ऐतिहासिक जीत के पीछे एक चौंकाने वाला सच सामने आया है। वामपंथी मतदाताओं का बड़े पैमाने पर भाजपा की ओर झुकाव देखने को मिला है। इसे राज्य में 'एबार राम, पोरे बाम' (इस बार राम, अगली बार वाम) के नारे के रूप में देखा जा रहा है। पश्चिम बंगाल के नए मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने भवानीपुर से ममता बनर्जी को हराने के बाद अपने विजय भाषण में वामपंथी मतदाताओं का विशेष आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, भवानीपुर में माकपा के पास 13,000 वोट थे, जिनमें से कम से कम 10,000 वोट मुझे मिले। मैं माकपा मतदाताओं का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं।

क्यों हुआ 'वाम' से 'दक्षिण' की ओर पलायन

2011 में सत्ता से हटने के बाद से तृणमूल कांग्रेस ने वामपंथी कार्यकर्ताओं पर कथित तौर पर भारी दबाव बनाया। उनके दफ्तर छीने गए और कई कार्यकर्ताओं को हिंसा का सामना करना पड़ा। ऐसे में वाम समर्थकों ने भाजपा को एक लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी के रूप में देखा, जो उन्हें टीएमसी के खिलाफ सुरक्षा दे सकती थी। 2018 के पंचायत चुनावों में हुई व्यापक हिंसा और माकपा कार्यकर्ताओं की हत्याओं ने कैडरों को यह विश्वास दिला दिया कि टीएमसी ही उनकी असली दुश्मन है।

वाम का पतन भाजपा का उदय

पश्चिम बंगाल में वामपंथ का ग्राफ लगातार नीचे गिरा है, जिसका सीधा फायदा भाजपा को मिला। माकपा का वोट शेयर जो 2011 में 41.09 था, वह 2026 के विधानसभा चुनाव में गिरकर मात्र 4.4 फीसदी रह गया। लोकसभा 2019 में भाजपा ने 18 सीटें जीतकर सबको चौंका दिया था। उस समय भी सीताराम येचुरी ने माना था कि वामपंथ का आधार वोट भाजपा की ओर खिसक गया है। 2026 के चुनाव में भाजपा ने जादवपुर, उत्तरपारा और दमदम उत्तर जैसी सीटों पर जीत दर्ज की, जो कभी वामपंथ के गढ़ थे।

क्या होगा वामपंथ का भविष्य

टीएमसी की विदाई के बाद अब वामपंथी दल अपने अस्तित्व को फिर से तलाश रहे हैं। सोशल मीडिया पर कई वीडियो वायरल हो रहे हैं जहां वामपंथी कार्यकर्ता अपने उन दफ्तरों को फिर से खोल रहे हैं जो टीएमसी के कब्जे में थे। कुछ जगहों पर भाजपा नेताओं की मौजूदगी में ये दफ्तर वापस किए गए। हालांकि विधानसभा में वामपंथ की स्थिति कमजोर है, लेकिन कुछ क्षेत्रों में सुधार दिखा है। माकपा ने मुर्शिदाबाद की डोमकल सीट जीती है, वहीं उनके सहयोगी दल भांगड़ सीट जीती है।

संक्षिप्त समाचार

जमीन विवाद पर 2 पक्षों में मारपीट, लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से हमला, 3 घायल

हाजीपुर। वैशाली जिले के बिदुपुर थाना क्षेत्र के नावानगर गांव में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट हुई। 11 मई सुबह 9 बजे हुई इस घटना में एक ही परिवार के तीन सदस्य घायल हो गए। घायलों में वास्कीत राय, उनकी पत्नी रंजू देवी और पुत्र राहुल कुमार शामिल हैं। आरोप है कि पड़ोसी पंकज राय, पवन कुमार, रोहित कुमार और चान्सी राय ने बाहरी लोगों को बुलाकर लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से हमला किया। वास्कीत राय के अनुसार, यह विवाद उनकी खरीदी हुई जमीन से संबंधित है, जिस पर एक सरकारी खाद्य की दुकान है। जमीन का खाता संख्या 126 और खेसरा संख्या 440 है। इस मामले को लेकर न्यायालय में एक मुकदमा भी चल रहा है। आरोप है कि आरोपियों ने न्यायालय के आदेश का उल्लंघन करते हुए जमीन पर कब्जा करने का प्रयास किया। बीच-बचाव करने आईं वास्कीत राय की पत्नी रंजू देवी और पुत्र राहुल कुमार को भी लाठी-डंडों से मारकर घायल कर दिया गया। मारपीट के दौरान आरोपियों ने रंजू देवी के गले से सोने का जिउतिया भी छीन लिया। आसपास के लोगों के इकट्ठा होने पर हमलावर मौके से फरार हो गए। घायल वास्कीत राय ने बताया कि आरोपी पंकज राय ने उन्हें पुलिस में शिकायत करने पर पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी। पंकज राय ने अगली बार उनके बेटे को भी मारने की धमकी दी। बताया गया है कि पंकज राय एसएसबी में कार्यरत हैं। इस संबंध में बिदुपुर थाना अध्यक्ष रवि प्रकाश ने बताया कि यह जमीनी विवाद को लेकर हुई मारपीट का मामला है। दोनों पक्षों की ओर से थाने में आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनकी जांच पड़ताल की जा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि यह मामला दो पट्टीदारों के बीच का है, जिन्होंने पूर्व में पंचायत के माध्यम से रुपए के लेनदेन कर समझौता कर लिया था। थाना अध्यक्ष के अनुसार, दोनों पक्षों के लड़कों ने विवाद को फिर से बढ़ा दिया है। आवेदनों की जांच के बाद प्राथमिकी दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

हाजीपुर की कंपनी में चोरी, वारदात सीसीटीवी में कैद, पुलिस फुटेज के आधार पर जांच में जुटी

हाजीपुर। हाजीपुर के औद्योगिक थाना क्षेत्र के रामपुर नौसहन स्थित ओम शांति इंटरप्राइजेज में चोरी की घटना सामने आई है। यह वारदात कंपनी में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसका वीडियो अब सामने आया है। सीसीटीवी फुटेज में तीन चोर दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में दो चोर दीवार पर खड़े नजर आते हैं, जबकि एक चोर दीवार से नीचे उतरकर एक फ्रिज उठाता है। वह फ्रिज को बाउंड्री पर खड़े अपने साथी को पकड़ा देता है। इसके बाद चोर आम के पेड़ के सहारे मौके से फरार हो गए। कंपनी के मालिक कृष्ण कुमार शर्मा ने रविवार शाम करीब 6 बजे मीडिया को बताया कि यह घटना शनिवार सुबह लगभग 1 बजे की है। जब वह कंपनी पहुंचे, तो उन्होंने देखा कि फ्रिज गायब है। इसके बाद उन्होंने डायल 112 पर फोन कर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और सीसीटीवी फुटेज की जांच की। मामले को लेकर औद्योगिक थाने में एक आवेदन भी दिया गया है। औद्योगिक थाना अध्यक्ष अरविंद पासवान ने जानकारी दी कि मामले की जांच की जा रही है।

प्लम्बर हत्याकांड का 24 घंटे में खुलासा, आपसी रंजिश में हुई हत्या, मुख्य आरोपी समेत 2 अरेस्ट, पिस्टल बरामद

हाजीपुर। वैशाली पुलिस ने प्लम्बर ऋषि हत्याकांड का 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। इस मामले में दो युवकों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल किया गया पिस्टल भी बरामद कर लिया है। यह घटना सदर थाना क्षेत्र के दामोदरपुर स्थित एक बगीचे में हुई थी। पुलिस अधीक्षक (एसपी) विक्रम सिहाग ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों में मुख्य अभियुक्त प्रियांशु शामिल है। प्रियांशु और मृतक ऋषि के बीच पहले से जान-पहचान थी। कुछ दिन पहले दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इसी विवाद का बदला लेने के लिए प्रियांशु ने अपने तीन दोस्तों के साथ मिलकर ऋषि को दामोदरपुर स्थित एक बगीचे में बुलाया। वहां प्रियांशु ने ऋषि को गोली मारकर हत्या कर दी। एसपी सिहाग ने यह भी बताया कि प्रियांशु को पिस्टल उपलब्ध कराने वाले व्यक्ति की पहचान कर ली गई है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है।

बाल आश्रय गृह से 10 बच्चे लापता, निरीक्षण के लिए पहुंचे थे एसडीओ, तलाश में जुटी पुलिस

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के नरौली बाल आश्रय गृह से 10 बच्चे लापता हैं। एसडीओ (पूर्वी) तुषार कुमार, स्थानीय प्रशासन और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। मामले की छानबीन में जुट गई है। मुजफ्फरपुर के अनुमंडल पदाधिकारी (पूर्वी) तुषार कुमार ने बाल आश्रय गृह का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पता चला बच्चे गायब हैं। बताया जा रहा है कि 10 बच्चे आश्रय गृह की दीवार फांदकर या किसी अन्य रास्ते से भागे। प्रशासन की कार्यशैली और आश्रय गृह की सुरक्षा पर सवाल खड़े हो रहे हैं। आश्रय गृह के अधीक्षक ने स्थानीय मुसहरी थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई है। सीसीटीवी खंगाले जा रहे हैं। मामला मुसहरी थाना क्षेत्र का है। बाल आश्रय गृह के पास एसडीओ पूर्वी के साथ-साथ मुसहरी थाना पुलिस कैंप कर रही है। आश्रय गृह में मौजूद अन्य बच्चों और वहां तैनात कर्मियों से पूछताछ की जा रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि बच्चे किस समय और कैसे फरार हुए। पुलिस जांच कर रही है कि क्या घटना के पीछे किसी बाहरी गिरोह का हाथ है या फिर प्रबंधन की लापरवाही के कारण बच्चे खुद भाग निकले। मुजफ्फरपुर के एसएसपी कांतेश कुमार मिश्रा ने कहा कि बच्चों के गायब होने की सूचना मिली है। खोजबीन के लिए पुलिस की विशेष टीम गठित कर दी गई है। आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। जल्द ही सभी बच्चों को सुरक्षित बरामद कर लिया जाएगा।

लव-मैरिज पर परिवार ने जिंदा बेटी का किया अंतिम संस्कार

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में एक परिवार ने अपनी जिंदा बेटी को मृत मानकर उसका अंतिम संस्कार किया। इसके लिए युवती का पुतला बनाया गया, अर्थी सजाई गई। चार लोगों ने कंधा देकर अर्थी को श्मशान घाट पहुंचाया, जहां पूरे हिंदू रीति-रिवाज से अंतिम संस्कार किया गया। मामला जिले के मड़वन प्रखंड के जियन खुर्द गांव का है। दरअसल, गांव की युवती ने लव मैरिज की है। जिसके बाद पंचायत ने परिवार का सामाजिक बहिष्कार कर दिया। दबाव में परिवार ने बेटी को मृत मानकर उसका प्रतीकात्मक दाह संस्कार कर दिया। मामला रविवार का है। करीब एक महीने पहले युवती (20) अपने प्रेमी के साथ घर से फरार हो गई थी। मामले में परिजनों ने करजा थाने में अपहरण की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। पिता ने थाने में दिए आवेदन में घर से अगवा करने का आरोप लगाया था। आवेदन में कहा गया, लड़की घर के दरवाजे पर खड़ी थी, तभी बाइक पर लड़का एक अन्य व्यक्ति के साथ आया और मुंह दबाकर लड़की को उठा ले गया। हमने खदेड़ कर इन्हें पकड़ने की कोशिश भी की थी, लेकिन ये फरार हो गए। वहीं आरोपी के घर जाकर जब बेटी को वापस करने को कहा तो पूरे परिवार ने हमारे साथ गाली-गलौज की। धमकाते हुए कहा, लड़की को वापस नहीं करेंगे, जो करना है कर लो। बाद में पुलिस ने युवती को बरामद कर कोर्ट में पेश किया। कोर्ट में युवती ने खुद को बालिग बताते हुए युवक से शादी करने की बात कही और उसके साथ रहने की इच्छा जताई। युवती ने यह भी आरोप लगाया कि उसके परिजन युवक के परिवार पर दबाव बना रहे हैं। कोर्ट के आदेश के बाद पुलिस ने युवती को उसकी इच्छानुसार उसके ससुराल भेज दिया गया। युवती के इस फैसले से का एक वर्ग नाराज हो गया। उन्होंने परिवार का 'सामाजिक बहिष्कार' कर दिया। पंचायत स्तर पर कथित तौर पर यह नियम बना दिया गया कि गांव का कोई व्यक्ति उस परिवार से मेल-जोल, खान-पान या सामाजिक संबंध नहीं रखेगा। इतना ही नहीं, जो भी व्यक्ति उस परिवार से संबंध रखेगा, उसके खिलाफ भी सामाजिक कार्रवाई की चेतावनी दी गई। समाज में दोबारा शामिल होने के लिए पंचायत ने एक शर्त रखी कि अगर परिवार अपनी बेटी को हमेशा के लिए मृत मानकर उसका अंतिम संस्कार कर देता है, तभी उन्हें वापस समाज का हिस्सा माना जाएगा।

कदमकुआं में प्रेमिका के घर मिला प्रेमी का शव

भाई बोला- कुर्सी पर बैठाकर उसकी मां-बहन ने हाथ पकड़ा, प्रेमिका ने गोली मार दी

एजेंसी, पटना

पटना के कदमकुआं इलाके में 26 साल के युवक की गोली मारकर हत्या की गई है। मर्डर का आरोप मृतक की गर्लफ्रेंड, उसकी मां और बहन पर लगा है। मृतक की पहचान 27 साल के राहुल कुमार के रूप में हुई है। राहुल सिटी सेंटर मॉल के VIP शोरूम में स्टोर का मैनेजर था। भाई ने बताया, राहुल की गर्लफ्रेंड ने उसके सिर में गोली मारी है। मर्डर के बाद वो फरार हो गई है। इस हत्या में लड़की की मां-बहन ने भी उसका साथ दिया है। दरअसल, 6 मई को राहुल की सगाई हुई थी, जिससे उसकी प्रेमिका नाराज थी। वो प्रेमी पर लगातार शादी का दबाव बना रही थी। लड़की ने आज राहुल को मिलने के लिए अपने घर बुलाया था। घटना खटाल गली की है।

भाई बोला- मां-बहन ने हाथ पकड़े, गर्लफ्रेंड ने गोली मारी: राहुल के बड़े भाई प्रमोद कुमार ने बताया, "राहुल को लड़की ने फोर्स करके कदमकुआं थाने की खटाल गली में अपने घर पर बुलाया था। वहां बुलाकर उसने कुर्सी पर भाई को बैठाया। भाई का एक हाथ उसकी मां ने पकड़ा और दूसरा बहन ने। इसके बाद गर्लफ्रेंड शीतल ने राहुल की कनपटी पर पिस्टल सटाकर गोली मार दी। गोली मारने के बाद लड़की की बहन ने मुझे खबर दी। मैं भाग-भागकर घर से घटनास्थल पहुंचा। वहां देखा तो मेरा भाई कुर्सी पर मरा पड़ा था। उसके सिर को उसकी प्रेमिका की मां ने पकड़ा था। हाथ उसकी बहन ने पकड़ा था। मेरे भाई का मोबाइल फोन भी गायब है। जिस लड़की ने गोली मारी है, वह भी फरार हो गई है।" लड़के की मां गुड़िया देवी और पिता ललन प्रसाद ने बताया, "आज सुबह घर से राहुल पटना सिटी सेंटर मॉल में ड्यूटी के लिए घर से निकला था। लंच सब कुछ पैक करके दिया था। सैलरी भी उसे मिली थी, जो उसकी जेब में थी। ड्यूटी से ही उसे लड़की ने बुला लिया और हत्या कर दी है।"

पुलिस मामले की जांच कर रही है: घटना की जानकारी पुलिस को दी गई है। पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच कर रही है। वारदात के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुटी है। बताया जा रहा कि प्रेम प्रसंग का मामला है। शव को PMCH पोस्टमॉर्टम के लिए लाया गया है। घटना की जानकारी मिलने के बाद परिजनों का रो-रो कर बुराहाल है। मौके पर पहुंचकर पुलिस छानबीन में जुट गई है। राहुल और शीतल का 1 साल से अफेयर चल रहा था। प्रेमी की सगाई होने के बाद प्रेमिका उस पर प्रेशर बना रही थी। परिजन के मुताबिक, 1 साल पहले भी राहुल की शादी कोलकाता में तय हुई थी। उस वक्त शीतल ने शादी तुड़वा दी थी।

पटना में आंधी-बारिश के बाद हंगामा करने वाले 18 गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

पटना में 8 मई को आई तेज आंधी और बारिश के दौरान एक बड़ा हादसा हो गया था। गर्दनीबाग थाना क्षेत्र में पेड़ गिरने से तीन लोग उसकी चपेट में आ गए थे, जिसमें सभी गंभीर रूप से घायल हो गए थे। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया।

घायल की मौत के बाद किया था हंगामा: इलाज के दौरान एक घायल अभय कुमार उर्फ मटरू की मौत हो गई। युवक की मौत के बाद परिजनों और स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। गुस्साए लोगों ने गर्दनीबाग थाना क्षेत्र के डोमखाना राज मेडिकल के पास जमकर हंगामा किया।

इस दौरान हंगामा करने वालों पुलिस टीम पर हमला और सरकारी कार्य में बाधा डालने का भी आरोप लगा। तकरीबन 1 घंटे तक यह पूरा विवाद चलता रहा। इसके बाद पुलिस ने जैसे तैसे कर मामले को शांत कराया।

पुलिस टीम पर हमला करने वाले 18 अरेस्ट: मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने फौरन कार्रवाई की है। पुलिस ने हंगामा करने, सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने और पुलिसकर्मियों पर हमला करने के आरोप में कुल 18 लोगों को गिरफ्तार किया है। फिलहाल, पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है और अन्य आरोपियों की पहचान भी की जा रही है।

❏ पुलिस टीम पर हमले का आरोप, पेड़ गिरने से एक युवक की हुई थी मौत

बिहार के 19 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट

एजेंसी, पटना

बिहार के 19 जिलों के लिए आज मौसम विभाग ने बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में मेघ गर्जन के साथ 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है। साथ ही आकाशीय बिजली भी गिर सकती है।

मौसम विभाग के अनुसार ऐसी स्थिति 15 मई तक बिहार के कई हिस्सों में बनी रह सकती है। हालांकि कई हिस्सों में अगले दो-तीन दिनों में चार डिग्री सेल्सियस तक तापमान बढ़ेगा, उसके बाद गिरावट आएगी।

मौसम विभाग के पटना केंद्र के अनुसार 11 से 15 मई तक उत्तर, उत्तर-पूर्व और दक्षिण बिहार में बारिश और आंधी की आशंका है। इसके बाद मौसम में धीरे-धीरे बदलाव देखने को मिलेगा। इसके बाद गर्मी फिर से बढ़ सकती है। लोगों को खराब मौसम में सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

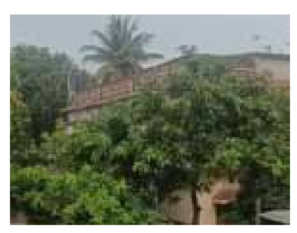

❏ 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेगी हवा, 15 मई तक ऐसा ही रहेगा मौसम

पटना के कुछ इलाकों में बूंदाबांदी हो सकती: राजधानी पटना में आज आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है। कुछ इलाकों में हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है। मौसम विभाग ने पटना में तेज हवा चलने की भी संभावना जताई है। अधिकतम तापमान 34 से 36 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है।

पेड़ से लटका मिला अधेड़ का शव, परिजनों ने हत्या की आशंका जताई, 3 लोग हिरासत में

एजेंसी, पटना

पटना जिले के बिहटा थाना क्षेत्र के कटेसर गांव में एक अधेड़ व्यक्ति का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान 64 वर्षीय शिव साव के रूप में हुई है, जो गांव के ही निवासी थे। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह परिवार के लोगों ने शिव साव का शव घर से करीब 50 मीटर दूरी पर एक पेड़ से लटका देखा। इसके बाद स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई और पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही बिहटा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। घटनास्थल पर एफएसएल (FSL) टीम को भी बुलाया गया है। फिलहाल मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा नहीं हो सका है।

रात में भाइयों से हुआ था विवाद: परिजनों के मुताबिक, रविवार रात शिव साव का अपने भाइयों के साथ किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इस दौरान मारपीट भी हुई थी। सुबह में लोगों ने उसका शव घर से 50 मीटर दूरी पर पेड़ से टंगा देखा, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। परिजनों का आरोप है कि विवाद के बाद उनकी हत्या कर शव को पेड़ से लटका दिया गया। उन्होंने शिव साव के भाइयों और अन्य रिश्तेदारों पर हत्या का शक जताया है।

पाटीदार और गोतीया पर हत्या का आरोप: मृतक के पुत्र रवि कुमार ने बताया कि, 'सुबह लगभग 3:00 के आसपास हमें जानकारी मिली कि मेरे पिताजी शिव साव के साथ मारपीट कर उनके शव को नींबू के पेड़ से टांग दिया है। जिसके बाद हम लोग वहां पहुंचे तो देखा कि उनकी मौत हो चुकी है। फिर पुलिस को सूचना दी गई। मेरे पाटीदार और गोतीया लोग ही मारपीट कर हत्या कर दिया है।'

तीन लोग हिरासत में : मामले में पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। बिहटा थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि, प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। अधेड़ व्यक्ति के साथ पहले मारपीट किया गया था। उसके सर में चोट भी लगा था। संभावना है कि पहले मारपीट करके उसकी हत्या कर शव को पेड़ से टांगा गया है ।' उन्होंने कहा कि, 'पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है। एफएसएल रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि मामला हत्या का है या आत्महत्या का।' फिलहाल, मृतक के परिजनों के बयान पर तीन लोगों हिरासत में लिया गया है, जिनसे पूछताछ किया जा रहा है।

एफएसएल रिपोर्ट का इंतजार

पटना में खराब सड़क को लेकर भड़के ऑटो चालक, खुसरूपुर में बीच रोड खड़ी किया ऑटो

एजेंसी, पटना

पटना जिले के खुसरूपुर में जर्जर सड़क और प्रशासनिक उदासीनता को लेकर ऑटो चालकों का गुस्सा फूट पड़ा। स्टेट हाईवे से रेलवे गुमटी तक जाने वाले मेन रोड बेहद खराब है। इससे नाराज चालकों ने बीच सड़क पर ऑटो खड़ी कर जाम लगा दिया। कई घंटों तक चले प्रदर्शन के कारण इलाके में आवाजाही पूरी तरह बाधित रहा।

हादसे की वजह बन रहे सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे - ऑटो चालकः प्रदर्शन कर रहे ऑटो चालक अजय कुमार और गोलू ने बताया कि सड़क पिछले 12 वर्षों से जर्जर हालत में है। सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे और उनमें जमा गंदा पानी हादसों को न्योता दे रहा है। उनका कहना है कि जलजमाव के कारण गड्ढों की गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता, जिससे आए दिन ऑटो और ई-रिक्शा पलट रहे हैं। चालकों ने आरोप लगाया कि खराब सड़क के कारण वाहनों को नुकसान हो रहा है और यात्री भी घायल हो रहे हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि कई बार शिकायत के बावजूद अब तक सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई।

जनप्रतिनिधियों पर भी नाराजगी: ग्रामीण कार्य विभाग के अंतर्गत आने वाली इस सड़क को लेकर स्थानीय लोगों में भी भारी नाराजगी है। स्थानीय निवासी राहुल कुमार ने बताया कि, 'सांसद और क्षेत्रीय विधायक को कई बार समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन स्थिति जस की तस बनी हुई है।' ग्रामीणों का कहना है कि चुनाव के दौरान बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर आज भी लोग कीचड़ और जलजमाव वाली सड़कों पर चलने को मजबूर हैं।

स्कूली बच्चों और मरीजों को हुई परेशानी: सड़क जाम और ई-रिक्शा परिचालन ठप रहने से स्कूली बच्चों, मरीजों और दफ्तर जाने वाले लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कई लोग घंटों जाम में फंसे रहे। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि जब तक सड़क निर्माण को लेकर कोई ठोस आश्वासन या काम शुरू नहीं होता, उनका आंदोलन जारी रहेगा।

स्टेट हाईवे से रेलवे गुमटी तक आवाजही ठप

पटना के मरीन ड्राइव से गंगा नदी में लुढ़की कार

एजेंसी, पटना

पटना के दीघा थाना क्षेत्र स्थित पाटीपुल घाट पर रविवार सुबह एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। घाट पर धोने के लिए खड़ी की गई एक कार अचानक लुढ़ककर गंगा नदी में समा गई। घटना के बाद घाट पर अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए। जानकारी के अनुसार, वाहन मालिक सुबह-सुबह अपनी स्कॉर्पियो लेकर घाट पर पहुंचा था। वह घाट पर गाड़ी खड़ी करके साफ करने के लिए पानी डाल रहा था। इसी दौरान फिसलन की वजह से वाहन धीरे-धीरे घाट की ओर खिसकने लगा। मालिक ने अपने स्तर से गाड़ी को रोकने की काफी कोशिश की, लेकिन वह सफल नहीं हो सका। फिसलन के चलते कार गंगा नदी में लुढकती चली गई और देखते ही देखते गंगा नदी में डूब गई।

गनीमत रही कि हादसे के समय गाड़ी के अंदर कोई मौजूद नहीं था, जिससे किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। इस हादसे की बात घाट पर काफी भीड़ लग गई। स्थानीय लोगों ने गाड़ी को निकालने के लिए अलग-अलग तरकीब लगना शुरू किया, लेकिन गाड़ी नहीं निकल पाई। सूचना मिलने पर दीघा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और भीड़ को नियंत्रित किया। घाट किनारे मौजूद लोगों को सुरक्षित दूरी पर हटाया गया।

बिहार के सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री नीतीश मिश्रा ने ग्रहण किया पदभार

एजेंसी, पटना

बिहार सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के मंत्री के रूप में सोमवार को नीतीश मिश्रा ने पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर विभाग के सचिव अभय कुमार सिंह सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। पदभार संभालने के बाद मंत्री नीतीश मिश्रा ने राज्य में सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र को नई दिशा देने की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने कहा कि बिहार में डिजिटल तकनीक, नवाचार और तकनीकी निवेश की अपार संभावनाएं हैं, जिन्हें आगे बढ़ाने के लिए सरकार गंभीरता से कार्य करेगी।

उन्होंने कहा कि राज्य में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित सेवाओं को बढ़ावा देने के साथ-साथ डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया जाएगा। सरकार तकनीक के माध्यम से बिहार को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करने की दिशा में प्राथमिकता के आधार पर काम करेगी।

मंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य बिहार को सूचना प्रौद्योगिकी और डिजिटल नवाचार के क्षेत्र में अग्रणी राज्यों की श्रेणी में शामिल करना है। इसके लिए तकनीकी निवेश को आकर्षित करने और युवाओं को आधुनिक तकनीकी कौशल से जोड़ने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

अवर निबंधक अमरेंद्र कुमार से ईओयू की पूछताछ जारी

एजेंसी, पटना

आर्थिक अपराध इकाई (EOU) ने सुपौल के जिला अवर निबंधक अमरेंद्र कुमार से आय से अधिक संपत्ति और भ्रष्टाचार से जुड़े मामले में पूछताछ जारी है। उन्हें सोमवार को EOU मुख्यालय में उपस्थित होने का नोटिस जारी किया गया था। इस मामले में उनके निजी चालक को भी पूछताछ के लिए बुलाया गया है। सूत्रों के अनुसार, EOU विशेष रूप से संपत्तियों के स्रोत, बैंकिंग गतिविधियों, नकदी के उपयोग और करीबी लोगों के नाम पर की गई खरीदारी से जुड़े सवाल पूछ सकती है। जांच एजेंसी को इस दौरान कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और वित्तीय लेनदेन से जुड़े तथ्य सामने आने की उम्मीद है। इससे पहले 6 मई को EOU ने अमरेंद्र कुमार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए सुपौल और पटना स्थित उनके पांच ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की थी।

पूछताछ में जवाबों, दस्तावेजों के आधार पर होगी कार्रवाई: जानकारी के मुताबिक, एजेंसी के पास कई अहम जानकारियां और प्राथमिक साक्ष्य मौजूद हैं। अधिकारियों का कहना है कि पूछताछ के दौरान प्राप्त जवाबों और दस्तावेजों के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। EOU सूत्रों के अनुसार, यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं तो मामले में कानूनी कार्रवाई और तेज हो सकती है। EOU पहले से ही अमरेंद्र कुमार से जुड़े कई आर्थिक पहलुओं की जांच कर रही थी। सीधे पूछताछ के लिए बुलाए जाना मामले में नया मोड़ माना जा रहा है। मामले में निजी चालक को नोटिस दिए जाने को लेकर भी चर्चाएं तेज हैं। सूत्रों के मुताबिक, जांच एजेंसी को शक है कि चालक कई अहम गतिविधियों और वित्तीय लेनदेन की जानकारी रखता हो सकता है। सूत्रों के मुताबिक, EOU यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि अमरेंद्र कुमार की संपत्तियों के संचालन, नकदी के आवागमन या अन्य संदिग्ध गतिविधियों में चालक की कोई भूमिका रही है या नहीं। जांच एजेंसियां अक्सर ऐसे मामलों में करीबी कर्मचारियों और सहयोगियों से पूछताछ कर आर्थिक गतिविधियों की कड़ियां जोड़ने का प्रयास करती हैं। चालक से यात्रा विवरण, विभिन्न स्थानों पर आवाजाही, संपत्तियों के उपयोग और अन्य संदिग्ध गतिविधियों से जुड़े सवाल पूछे जा सकते हैं। EOU की जांच फिलहाल अमरेंद्र कुमार की कथित बेनामी संपत्तियों और आर्थिक लेनदेन पर केंद्रित है। सूत्रों के अनुसार, जांच के दौरान कई जमीन, फ्लैट, बैंक खाते और निवेश से जुड़े दस्तावेज एजेंसी के रडार पर आए हैं। परिवार और करीबी लोगों के नाम पर संपत्ति खरीदने के पहलुओं की भी जांच की जा रही है।

❏ आय से अधिक संपत्ति मामले में पूछताछ के लिए बुलाया, निजी ड्राइवर से भी होगी पूछताछ

संक्षिप्त समाचार

14 मई को जिला नियोजनालय परिसर में लगेगा जॉब कैंप सह कैरियर मार्गदर्शन शिविर

बीएनएम @ मोतिहारी। जिला नियोजनालय, पूर्वी चम्पारण के परिसर में 14 मई 2026 को प्रातः 11 बजे एक दिवसीय जॉब कैंप सह कैरियर मार्गदर्शन शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस रोजगार शिविर में विजन इंडिया सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा भाग लिया जाएगा, जहां विभिन्न पदों के लिए अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। जॉब कैंप में ऑपरेटर, पेशेंट केयर एवं हाउसकीपिंग पदों के लिए भर्ती की जाएगी। इन पदों के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 5वीं, 10वीं, 12वीं, आईटीआई एवं डिप्लोमा पास निर्धारित की गई है। अभ्यर्थियों की आयु सीमा 18 से 40 वर्ष रखी गई है। चयनित अभ्यर्थियों का कार्यस्थल दिल्ली, गुजरात एवं महाराष्ट्र होगा। चयनित उम्मीदवारों को 17 हजार से 22 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जाएगा। इसके अलावा पीएफ, मेडिकल सहित अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। जॉब कैंप के माध्यम से कुल 200 रिक्त पदों पर भर्ती की जाएगी। इच्छुक अभ्यर्थी अपने रिज्यूम/बायोडाटा, मूल प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक पासबुक एवं पासपोर्ट साइज फोटो के साथ निर्धारित समय पर जिला नियोजनालय परिसर में उपस्थित होकर रोजगार शिविर में भाग ले सकते हैं।

गांधी मैदान में बन रहे स्थायी पुलिस चौकी का डीएम और एसपी ने किया निरीक्षण

बीएनएम @ मोतिहारी। शहर के गांधी मैदान में स्थापित किए जा रहे स्थायी पुलिस चौकी के निर्माण कार्य का सोमवार को जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल एवं पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने संयुक्त रूप से निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को कार्य शीघ्र पूर्ण कराने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान डीएम एवं एसपी ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता और आवश्यक सुविधाओं का भी जायजा लिया। अधिकारियों ने कहा कि गांधी मैदान जैसे महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थल पर स्थायी पुलिस चौकी बनने से सुरक्षा व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी तथा आम लोगों को त्वरित पुलिस सहायता उपलब्ध हो सकेगी। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों और कार्य एजेंसी को निर्धारित समय सीमा के भीतर निर्माण कार्य पूरा करने का निर्देश देते हुए कहा कि कार्य में गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाए।

उत्पाद कांड का खुलासा, पटना से एक आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिले के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र में दर्ज उत्पाद कांड का पुलिस ने खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी को पटना के खगौल-दानाापुर रोड स्थित पीजीए मोड़ के पास से दबोचा गया। मामले में पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मुफ्फसिल थाना कांड संख्या-215/26 दिनांक 02 अप्रैल 2026 में पहले गिरफ्तार प्राथमिकी अभियुक्त भोला महतो उर्फ भोला प्रसाद ने पूछताछ के दौरान कई महत्वपूर्ण खुलासे किए। उसने अपने बयान में बताया कि इस मामले में सिपाही उर्फ रोज मोहम्मद मियां तथा राजेश सिंह उर्फ मुन्ना सिंह भी शामिल हैं। पुलिस ने अनुसंधान के क्रम में भोला महतो की निशानदेही पर पहले सिपाही उर्फ रोज मोहम्मद मियां को गिरफ्तार किया। इसके बाद उसकी निशानदेही पर राजेश सिंह उर्फ मुन्ना सिंह को पटना स्थित विनी केक दुकान, पीजीए मोड़, खगौल-दानाापुर रोड से गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान राजेश सिंह उर्फ मुन्ना सिंह, पिता जगनारायण चौधरी, निवासी बड़हरी थाना करहगर जिला रोहतास के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपी वर्तमान में पटना के अशियाना रोड स्थित कौशिक रेसिडेंसी फ्लैट में रह रहा था। इस कार्रवाई में सदर-02 के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी जितेश कुमार पाण्डेय, परिक्ष्यमान पुलिस उपाधीक्षक सह मुफ्फसिल थानाध्यक्ष कुमारी प्रियंका, अपर थानाध्यक्ष चंदन कुमार सहित मुफ्फसिल थाना के कई पुलिस पदाधिकारी एवं सशस्त्र बल शामिल थे।

बॉर्डर एरिया से 144 लीटर नेपाली शराब बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिले के घोड़ासहन थाना क्षेत्र में पुलिस ने शराब तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 144 लीटर नेपाली शराब के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों को बॉर्डर एरिया से पकड़ा गया। मामले में घोड़ासहन थाना कांड संख्या-196/26 दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार, 10 मई 2026 को घोड़ासहन थाना क्षेत्र में शराब तस्करी के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने दो संदिग्धों को पकड़ा, जिनके पास से कुल 144 लीटर नेपाली शराब बरामद की गई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मंजय कुमार, पिता चंदेश्वर यादव, निवासी यदुवंशी नगर थाना घोड़ासहन तथा अरुण कुमार, पिता रामाधार राय, निवासी बरवाखुर्द टोला जगिरहा थाना कुंडवा चैनपुर, जिला पूर्वी चंपारण के रूप में हुई है। इस मामले में पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) की विभिन्न धाराओं एवं बिहार मद्यनिषेध अधिनियम 2018 की धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। छापेमारी दल में सिकरहना अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी उदय शंकर, पर्यवेक्षी पदाधिकारी धनंजय कुमार निर्दोष, पु०अ०नि० अमरजीत कुमार, पु०अ०नि० आशीष कुमार एवं घोड़ासहन थाना के सशस्त्र बल शामिल थे।

महिला सशक्तिकरण को नई उड़ानः सेंट्रल बैंक और जीविका की समन्वय बैठक में बनी ग्रामीण विकास की रणनीति

स्वयं सहायता समूहों को मिलेगा आसान ऋण, महिलाओं के स्वरोजगार को बढ़ावा देने पर दिया गया जोर

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया क्षेत्रीय कार्यालय मोतिहारी एवं जीविका के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को शहर स्थित एक होटल के सभागार में एक दिवसीय समन्वय बैठक का आयोजन किया गया। उक्त बैठक में बैंक अधिकारियों एवं जीविका कर्मियों ने भाग लेकर ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने, स्वयं सहायता समूहों को बैंकिंग सेवाओं से जोड़ने तथा स्वरोजगार योजनाओं को गति देने को लेकर विस्तृत मंथन किया। बैठक के दौरान बैंक अधिकारियों एवं जीविका प्रतिनिधियों के बीच वित्तीय समावेशन, ऋण वितरण प्रक्रिया, स्वयं सहायता समूहों के संचालन एवं ग्रामीण विकास योजनाओं को प्रभावी बनाने पर विस्तार से चर्चा हुई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करना रहा। इस अवसर पर सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के क्षेत्रीय प्रमुख विवेक कुमार पाण्डेय ने कहा कि स्वयं सहायता समूह आज ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूत आधारशिला बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में जीविका की भूमिका अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पात्र समूहों को समय पर ऋण उपलब्ध कराने तथा बैंकिंग प्रक्रियाओं को सरल बनाने की दिशा में प्राथमिकता के आधार पर कार्य किया जाएगा। बैठक में जीविका कर्मियों ने स्वयं सहायता समूहों को ऋण स्वीकृति में आने वाली कठिनाइयों, दस्तावेजी प्रक्रिया एवं बैंकिंग सेवाओं से जुड़ी समस्याओं को अधिकारियों के समक्ष रखा। इस पर बैंक प्रतिनिधियों ने समस्याओं के त्वरित समाधान का आश्वासन देते हुए कहा कि बैंक एवं जीविका के बेहतर समन्वय से ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे तथा छोटे उद्यमों को बढ़ावा मिलेगा। इस कार्यक्रम में वित्तीय साक्षरता, डिजिटल बैंकिंग, समय पर ऋण पुनर्भुगतान, बचत की आदत विकसित करने एवं सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बढ़ने से गांवों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। बैठक के अंत में सभी सदस्यों ने बैंक एवं जीविका के बीच समन्वय को और अधिक मजबूत बनाने, ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन को बढ़ावा देने तथा महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने के लिए संयुक्त रूप से कार्य करने का संकल्प लिया। उपस्थित लोगों ने इस पहल को ग्रामीण विकास एवं महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। वहीं क्षेत्रीय कार्यालय से सहायक प्रबंधक अनल अविनाश ने संवाद प्रेषित करते हुए बताया कि इस तरह के कार्यक्रम से बैंक और जीविका संगठन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होता है। उक्त बैठक में क्षेत्रीय प्रमुख विवेक कुमार पाण्डेय, मुख्य प्रबंधक अभिनव आनन्द, सत्येन्द्र कुमार पाण्डेय, जीविका के राज्य परियोजना प्रबंधक पुष्पेंद्र कुमार, नोडल अधिकारी राजू कुमार तथा मोतिहारी जिला के जीविका के सभी प्रखंड परियोजना प्रबंधक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के शाखा प्रबंधक एवं जीविका के कई अधिकारी एवं कर्मी सहित अन्य उपस्थित रहे।

चिरैया पुलिस को बड़ी सफलता, 20 हजार का इनामी शराब तस्कर राजा बाबू गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिले की चिरैया थाना पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। शराब कांड से जुड़े लंबे समय से फरार चल रहे 20 हजार रुपये के इनामी अभियुक्त राजा बाबू को रविवार की रात गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान राजा बाबू (41 वर्ष), पिता स्वर्गीय रामायोध्या राय, निवासी मोतनाजे, थाना चिरैया, जिला पूर्वी चंपारण के रूप में हुई है। उसके खिलाफ भारतीय दंड संहिता तथा बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज था। वह लंबे समय से फरार चल रहा था, जिसकी गिरफ्तारी को लेकर पुलिस लगातार छापेमारी अभियान चला रही थी। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि अभियुक्त क्षेत्र में मौजूद है। सूचना के आधार पर एसटीएफ और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम ने रविवार की रात छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद उससे पूछताछ की जा रही है तथा मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। चिरैया थानाध्यक्ष हमेश कुमार ने बताया कि अभियुक्त लंबे समय से फरार चल रहा था और उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे। उन्होंने कहा कि शराब कारोबार एवं फरार अभियुक्तों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। कानून व्यवस्था बनाए रखने और अवैध कारोबार पर रोक लगाने के लिए पुलिस पूरी तरह सतर्क है। अभियुक्त के खिलाफ चिरैया थाना में शराब कारोबार से जुड़े कई मामले दर्ज हैं। वह विभिन्न शराब कांडों में पूर्व से नामजद अभियुक्त रहा है और लंबे समय से पुलिस की गिरफ्त से बाहर चल रहा था। पुलिस की इस कार्रवाई को क्षेत्र में अवैध शराब कारोबार के खिलाफ बड़ी सफलता माना जा रहा है।

भारत-नेपाल सीमा पर बड़ी कार्रवाई : 2.7 किलो चरस के साथ तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। भारत-नेपाल सीमा से सटे क्षेत्र में नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत 71वीं वाहिनी एसएसबी और स्थानीय पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए 2.7 किलो चरस बरामद की है। इस दौरान एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया। जानकारी के अनुसार, सोमवार तड़के 71वीं बटालियन के इंटेलिजेंस सेटअप से मिली गुप्त सूचना के आधार पर एसएसबी की ए कंपनी अठमोहान और जितना थाना पुलिस ने अगरवा गांव में संयुक्त छापेमारी अभियान चलाया। टीम ने गजेंद्र प्रसाद यादव के घर एवं उसके आउट हाउस में सघन तलाशी ली। तलाशी के दौरान करीब 2.7 किलोग्राम चरस जैसा मादक पदार्थ बरामद किया गया। मौके से मुन्ना कुमार (26 वर्ष), पिता गजेंद्र प्रसाद यादव, निवासी वार्ड संख्या-03, ग्राम अगरवा, थाना जितना, जिला पूर्वी चंपारण को गिरफ्तार किया गया।अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई तड़के करीब तीन बजे की गई। बरामदगी स्थल भारत-नेपाल सीमा से लगभग 400 मीटर भारतीय क्षेत्र के भीतर स्थित है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मादक पदार्थ की खेप नेपाल से तस्करी कर भारत लाई गई थी। संयुक्त टीम ने बरामद चरस एवं गिरफ्तार आरोपी को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए जितना थाना पुलिस को सौंप दिया। थाना प्रभारी सुधीर कुमार ने बताया कि आरोपी से पूछताछ जारी है तथा उसे न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया की जा रही है। सुरक्षा एजेंसियों का कहना है कि सीमा क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। मामले से जुड़े अन्य लोगों की पहचान एवं पूरे नेटवर्क की जांच भी तेज कर दी गई है।इस संयुक्त कार्रवाई में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सिकरहना, घोड़ासहन अंचल निरीक्षक, राजस्व अधिकारी सम्राट कुमार, एसआई शिवजी पासवान, एसआई दीनानाथ सिंह, पीटीसी सुमित कुमार, सिपाही रजनीकांत एवं नागा कुमार सहित एसएसबी 71वीं वाहिनी अठमोहान के सहायक उप निरीक्षक बलवंत कुमार और अन्य जवान मौजूद रहे।

बीएचयू भ्रमण से एमएस कॉलेज के विद्यार्थियों को मिली आधुनिक शोध तकनीकों की जानकारी

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। नगर के मुंशी सिंह महाविद्यालय के औद्योगिक सूक्ष्मजीव विज्ञान (आई.एम.बी) विभाग के 30 स्नातक विद्यार्थियों ने समन्वयक डॉ. सफीकुर रहमान एवं गैर-शिक्षण कर्मचारी राजीव कुमार के नेतृत्व में काशी हिंदू विश्वविद्यालय का शैक्षणिक भ्रमण किया। भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान, प्रयोगात्मक तकनीकों एवं विभिन्न विभागों की कार्यप्रणाली से अवगत कराना था। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने डेयरी साइंस एवं फूड टेक्नोलॉजी विभाग का दौरा कर डेयरी आधारित स्वरोजगार, ग्रामीण आय वृद्धि तथा आधुनिक डेयरी तकनीकों की जानकारी प्राप्त की। विद्यार्थियों ने डेयरी उद्यमिता से जुड़े विभिन्न पहलुओं को भी करीब से समझा। इसके बाद विद्यार्थियों ने प्राणी विज्ञान विभाग का भ्रमण किया, जहाँ उन्होंने ड्रॉसोफिला आधारित प्रयोग, जूलॉजिकल म्यूज़ियम, हिस्टोलॉजी प्रयोग एवं सेंट्रल इंस्ट्रूमेंट फैसिलिटी का अवलोकन किया। इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी तकनीकों एवं आधुनिक शोध उपकरणों को देखकर विद्यार्थियों ने उत्साह व्यक्त किया। वनस्पति विज्ञान विभाग के भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने बॉटनिकल गार्डन, हर्बेरिया एवं सेंट्रल इंस्ट्रूमेंट फैसिलिटी का अवलोकन किया। हर्बेरिया में संरक्षित दुर्लभ वनस्पतियों के संग्रह ने विद्यार्थियों को विशेष रूप से आकर्षित किया। विद्यार्थियों ने SATHI-BHU का भी दौरा कर अत्याधुनिक वैज्ञानिक उपकरणों एवं उन्नत शोध सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। इस दौरान विद्यार्थियों ने आधुनिक अनुसंधान तकनीकों को नजदीक से समझा। औद्योगिक सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग ने इस सफल शैक्षणिक भ्रमण के लिए बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर बिहार विश्वविद्यालय के कुलपति के प्रति आभार व्यक्त किया। विभाग ने डेयरी साइंस विभागाध्यक्ष प्रो. राज कुमार दुबेरी, डॉ. सुनील मीणा, डॉ. तरुण वर्मा, प्राणी विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. मुनियांडी सिंगारावेल, प्रो. एस.सी. लाखोटिया, प्रो. मधु जी. तापड़िया, डॉ. संजीव कुमार, डॉ. भूपेंद्र कुमार, वनस्पति विज्ञान विभाग की प्रो. शशि पांडेय, डॉ. सतीश कुमार पी.के., डॉ. सतीश वर्मा तथा SATHI-BHU के समन्वयक प्रो. अनुप के. घोष के प्रति विशेष धन्यवाद ज्ञापित किया।

विभाग ने महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. एन.एम. हक़ के प्रति भी आभार प्रकट करते हुए कहा कि उनके सहयोग एवं प्रोत्साहन से विद्यार्थियों को यह महत्वपूर्ण शैक्षणिक अवसर प्राप्त हुआ। विभाग के अनुसार यह भ्रमण विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक एवं अत्यंत उपयोगी साबित हुआ। इधर एम.एस. कॉलेज, मोतिहारी के औद्योगिक सूक्ष्मजीव विज्ञान (IMB) विभाग में नामांकन प्रारंभ हो चुका है। आवेदन पत्र भरने की अंतिम तिथि 30 मई 2026 निर्धारित की गई है। इच्छुक विद्यार्थी आवेदन के लिए बॉटनी विभाग में संपर्क कर सकते हैं।

सदर अस्पताल स्थित पीकू वार्ड का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के द्वारा नगर आयुक्त आशीष कुमार के साथ सदर अस्पताल मोतिहारी अंतर्गत पीकू वार्ड का निरीक्षण सोमवार को किया गया। उक्त निरीक्षण के दौरान पीकू वार्ड में भर्ती बच्चों के साथी से दवा, भोजन इत्यादि के संबंध में पूछताछ की गई। सदर अस्पताल में आरोग्य सदन (दीनदयाल उपाध्याय सभागार) में हो रहे कार्यों की समीक्षा की गई एवं निर्देश दिया गया कि स्वास्थ विभाग की समीक्षात्मक बैठक इसी भवन में आयोजित की जाए। जिला स्वास्थ्य समिति कार्यालय में भ्रमण के दौरान निर्देशित किया गया कि कार्यालय का रंग रोगन कराया जाए। पीकू वार्ड के सामने जमे हुए पानी के निकासी करा देने के लिए नगर आयुक्त को निर्देशित किया गया। यहाँ पर सिविल सर्जन द्वारा नगर आयुक्त से फॉगिंग एवं लार्बीसाइडल हेतु अनुरोध किया गया। पुरुष एवं महिला छात्रावास में चापाकल से जल आपूर्ति हेतु निर्देश दिया गया।

चकिया-पिपरा NH-27 पर भीषण सड़क हादसा, महिला की मौत, युवक का पैर कटा

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिले में चकिया-पिपरा के बीच NH-27 पर सोमवार को तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। एक अज्ञात ट्रक ने बाइक सवारों को रौंद दिया, जिसमें एक महिला की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं एक युवक का पैर कट गया, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन समेत फरार हो गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों और ग्रामीणों ने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा। घायल युवक की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे से नाराज ग्रामीणों ने NH-27 को जाम कर दिया और प्रशासन के खिलाफ जमकर आक्रोश जताया। ग्रामीणों का कहना है कि NH-27 पर लगातार तेज रफ्तार और लापरवाही के कारण हादसे हो रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही। लोगों ने मांग की है कि फरार ट्रक और चालक की जल्द पहचान कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। सरकार और प्रशासन लगातार सड़क सुरक्षा एवं जागरूकता अभियान चलाते हैं। लोगों से अपील की जाती है कि दुर्घटना के बाद घायलों की मदद करें और उन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाएं। लेकिन आए दिन हो रही घटनाएं यह सवाल खड़ा करती हैं कि आखिर लोग सड़क पर सावधानी कब बरतेंगे। एक छोटी सी लापरवाही किसी परिवार की पूरी जिंदगी उजाड़ देती है। सड़क पर सिर्फ वाहन नहीं चलते, बल्कि किसी का परिवार, किसी के सपने और किसी की जिंदगी चलती है। थोड़ी सी सतर्कता कई घरों को टूटने से बचा सकती है।

2.7 किलो चरस के साथ तस्कर गिरफ्तार, एसएसबी और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिले के जितना थाना क्षेत्र में पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 2.7 किलोग्राम चरस जैसे मादक पदार्थ के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सिकहरना के नेतृत्व में गठित टीम एवं एसएसबी के संयुक्त अभियान में की गई। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, सोमवार को जितना थाना पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि थाना क्षेत्र के अगरवा गांव निवासी मुन्ना कुमार अपने घर के पीछे स्थित भूसौली घर में अवैध मादक पदार्थ छिपाकर रखा है और सुबह होते ही उसकी डिलीवरी करने वाला है। सूचना मिलते ही वरीय अधिकारियों को अवगत कराया गया, जिसके बाद एसडीपीओ सिकहरना के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने एसएसबी 71वीं बटालियन अठमोहान के जवानों के साथ संयुक्त छापेमारी की। छापेमारी के दौरान मुन्ना कुमार के घर के पिछले हिस्से में भूसौली से सटे प्लास्टिक के बोरे में छिपाकर रखा गया 2.695 किलोग्राम चरस जैसा मादक पदार्थ बरामद किया गया। मौके से पुलिस ने आरोपी मुन्ना कुमार को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मुन्ना कुमार, पिता गजेंद्र प्रसाद यादव, निवासी अगरवा थाना जितना, जिला पूर्वी चंपारण के रूप में हुई है। पुलिस ने बरामद मादक पदार्थ को जब्त कर लिया है तथा आरोपी से पूछताछ के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। छापेमारी दल में एसडीपीओ सिकहरना उदय शंकर, पर्यवेक्षी पदाधिकारी धनंजय कुमार निर्दोष, राजस्व अधिकारी सम्राट कुमार, थानाध्यक्ष सुधीर कुमार, शिवजी पासवान, दिनानाथ सिंह, पीटीसी सुमित कुमार, सिपाही रजनीकांत, नागा कुमार सहित जितना थाना पुलिस और एसएसबी के जवान शामिल थे।

संक्षिप्त समाचार

जहरीली शराब कांड में यूपी के स्प्रिट माफिया भाइयों के घर पुलिस ने चपकाया इश्तेहार।

- अप्रैल माह मे जहरीली शराब पीने से 10लोगों कि हुई थी मौत
- तुरकौलिया पुलिस ने यूपी जाकर चिपकाया है इशतेहार।

बीएनएम @ तुरकौलिया। थाना क्षेत्र में हुए चर्चित जहरीली शराब कांड में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए फरार आरोपियों पर दबाव बढ़ा दिया है। सोमवार को तुरकौलिया पुलिस ने उत्तर प्रदेश के जलालपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत नहोरा डरवा गांव में छापेमारी कर स्प्रिट माफिया चंदन कुमार और सूरज कुमार के घर इश्तेहार चिपकाया। दोनों सगे भाई हैं और मामले में मुख्य आरोपी बताए जा रहे हैं।बताया जाता है कि अप्रैल माह में तुरकौलिया और रघुनाथपुर इलाके में जहरीली शराब पीने से 10 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि करीब एक दर्जन लोग अपनी आंखों की रोशनी गंवा बैठे थे। इस दर्दनाक घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया था और प्रशासन पर कार्रवाई का दबाव बढ़ गया था।इस मामले में शंकर सरैया परसौना निवासी दिनेश यादव ने प्राथमिकी दर्ज कराई थी। उन्होंने अपने आवेदन में कहा था कि उनके चचेरे भाई प्रमोद यादव की मौत जहरीली शराब पीने से हुई, जो नागा यादव और खलीफा यादव के यहां से लाई गई थी। पुलिस ने मामले में कई लोगों को नामजद किया था।जांच के दौरान यह सामने आया कि जहरीली स्प्रिट उत्तर प्रदेश से मंगाई गई थी। पुलिस ने इस मामले में पहले ही यूपी के दो सप्लायरों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। हालांकि, मुख्य आरोपी चंदन कुमार और सूरज कुमार अब भी फरार हैं।थानाध्यक्ष सम्पत कुमार ने बताया कि दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। इश्तेहार चिपकाने की कार्रवाई न्यायालय के आदेश पर की गई है, ताकि आरोपियों पर सरेंडर करने का दबाव बनाया जा सके। पुलिस ने जल्द गिरफ्तारी का दावा किया है।

मनरेगा अनियमितता मामले में 37 लाख रुपये से अधिक वसूली का आदेश

बीएनएम @ सीतामढ़ी :- सीतामढ़ी जिला के बथनाहा प्रखंड में मनरेगा योजना के तहत पशु शेड निर्माण में सामने आई अनियमितताओं पर जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद रिची पांडेय के निर्देश पर संयुक्त जांच टीम गठित कर 144 योजनाओं की जांच कराई गई। जांच के दौरान कई गंभीर गड़बड़ियां सामने आईं। जांच में पाया गया कि 30 पशु शेड का उपयोग पशुपालन के बजाय आवासीय और व्यावसायिक कार्यों में किया जा रहा था। कई योजनाओं में निर्धारित जीआई पाइप की जगह बांस और लकड़ी का इस्तेमाल किया गया। इसके अलावा 134 योजनाओं में सूचना पट्ट नहीं लगाए गए थे तथा कई निर्माण कार्य गुणवत्ता मानकों के अनुरूप नहीं पाए गए।संयुक्त जांच प्रतिवेदन के आधार पर प्रशासन ने संबंधित तत्कालीन पदाधिकारियों, कर्मियों और जनप्रतिनिधियों को दोषी मानते हुए 37 लाख 16 हजार 346 रुपये की वसूली का आदेश दिया है। यह राशि संबंधित पीओ, जेई, लेखापाल, पंचायत तकनीकी सहायक, पीआरएस तथा ग्राम पंचायत राज बखरी के मुखिया से समानुपातिक रूप से वसूली जाएगी।संदीप कुमार ने कहा कि मनरेगा योजनाओं में किसी भी प्रकार की अनियमितता या सरकारी राशि के दुरुपयोग को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों पर आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

अश्लील गाना बजाने के विरोध पर दो पक्षों में हिंसक झड़प, कई घायल

बीएनएम @ सीतामढ़ी जिला के रीगा थाना के श्रीरामपुर टोला वार्ड संख्या-09 में शादी समारोह के दौरान डीजे पर अश्लील गाना बजाने के विरोध को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। घटना में कई लोग घायल हो गए, जिनका इलाज रीगा, सीतामढ़ी और मुजफ्फरपुर के अस्पतालों में चल रहा है। पीड़ित पक्ष ने थाना में आवेदन देकर नौ लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है।पीड़ित रमेश कुमार ने बताया कि 6 मई 2026 को उनके पड़ोसी के घर शादी समारोह था, जहां अश्लील गाने बजाए जा रहे थे। विरोध करने पर दोनों पक्षों में कहासुनी और मारपीट हुई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामला शांत कराया।आरोप है कि अगले दिन सुबह पुराने विवाद को लेकर कई लोग लाठी-डंडा, लोहे का रॉड और रस्सी लेकर रमेश कुमार के घर पहुंच गए और हमला कर दिया। इस दौरान रमेश कुमार, उनके पिता सीताराम बैठा, भाई उमेश कुमार तथा भतीजा रोहित कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि दोनों पक्षों से आवेदन प्राप्त हुआ है। प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है तथा आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

श्रीखंडी भिट्ठा में छत से गिरकर अधेड़ गंभीर रूप से घायल

बीएनएम @ सीतामढ़ी: जिला के श्रीखंडी भिट्ठा पूर्वी पंचायत के वार्ड संख्या-09 में एक शम्भू साह अपने घर की छत से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के तुरंत बाद परिवार के लोगों ने उन्हें आनन-फानन में एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज जारी है। चिकित्सकों के अनुसार उनकी हालत नाजुक बनी हुई है । परिजनों ने बताया कि परिवार आर्थिक तंगी से जूझ रहा है, जिसके कारण इलाज का खर्च उठा पाना बेहद मुश्किल हो रहा है। घर की कमजोर आर्थिक स्थिति अब सबसे बड़ी परेशानी बन गई है। इस बीच स्थानीय ग्रामीणों और समाजसेवियों ने मदद के लिए हाथ बढ़ाया है। राजीव नंद ने कहा कि शम्भू साह की स्थिति गंभीर है और परिवार के पास इलाज के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं हैं। स्थानीय लोगों ने समाज के सक्षम व्यक्तियों से अपील की है कि जरूरतमंद परिवार की मदद के लिए आगे आएं, ताकि समय पर इलाज हो सके और घायल व्यक्ति की जान बचाई जा सके।

योगापट्टी सीएचसी में 2 मई से एक्स-रे मशीन खराब, मरीज परेशान

बीएनएम @ योगापट्टी : योगापट्टी सीएचसी में 2 मई से एक्स-रे मशीन खराब होने के कारण मरीजों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल में प्रतिदिन आने वाले मरीजों को एक्स-रे जांच नहीं हो पाने से बिना जांच लौटना पड़ रहा है। हड्डी, सीने और अन्य बीमारियों की जांच के लिए आने वाले मरीजों को अब मजबूरी में बेतिया जाना पड़ रहा है। इससे मरीजों का समय के साथ अतिरिक्त खर्च भी बढ़ गया है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों पर इसका सबसे ज्यादा असर पड़ रहा है।कई मरीज दूर-दराज गांवों से जांच कराने पहुंचते हैं, लेकिन मशीन खराब होने के कारण उन्हें निराश होकर लौटना पड़ता है। अस्पताल सूत्रों के अनुसार मशीन में तकनीकी खराबी आ जाने से यह सेवा बाधित है।

बीएनएम इम्पैक्ट : हरसिद्धि- सोनबरसा झील के विकास को लेकर प्रशासन सक्रिय, बीडीओ व सीओ ने किया स्थल निरीक्षण

बीएनएम @ राकेश कुमार

हरसिद्धि/मोतिहारी। हरसिद्धि प्रखंड क्षेत्र स्थित ऐतिहासिक सोनबरसा झील की दुर्दशा, अतिक्रमण और सौंदर्यीकरण की मांग को लेकर "बॉर्डर न्यूज मिरर" में प्रकाशित खबर का असर अब प्रशासनिक स्तर पर दिखने लगा है। खबर प्रकाशित होने के बाद हरसिद्धि प्रखंड विकास पदाधिकारी गुलशन कुमार एवं अंचलाधिकारी अरविंद कुमार चौधरी ने स्थल पर पहुंचकर झील का निरीक्षण किया तथा आसपास की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने झील के चारों ओर फैले अतिक्रमण, जलभराव की स्थिति और खाली पड़ी भूमि का अवलोकन किया। स्थानीय लोगों ने अधिकारियों को बताया कि यह झील प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर है, लेकिन वर्षों से उपेक्षा और अतिक्रमण के कारण इसकी पहचान धीरे-धीरे समाप्त होती जा

अतिक्रमणकारियों का दंश झेल रही हरसिद्धि-सोनबरसा झील, सौंदर्यीकरण की दरकार
झील बन सकता है प्रमुख पर्यटक स्थल व पिकनिक स्पॉट

रही है। ग्रामीणों और बुद्धिजीवियों ने प्रशासन से झील को अतिक्रमण मुक्त कर पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की मांग की। ज्ञात हो कि जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने हाल ही में पत्र जारी कर सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों एवं नगर परिषद अधिकारियों से अपने-अपने क्षेत्रों में ऐतिहासिक एवं पर्यटन स्थलों के विकास के लिए प्रस्ताव मांगा है। इसी पहल के बाद सोनबरसा झील को लेकर भी उम्मीदें बढ़ गई हैं। हरसिद्धि वासियों का कहना है कि यदि सोनबरसा झील का समुचित विकास किया जाए, यहां पार्क, नौकायन, प्रकाश व्यवस्था, बैठने की सुविधा और हरियाली विकसित की जाए, तो यह क्षेत्र पूर्वी चंपारण का प्रमुख पर्यटन एवं पिकनिक स्पॉट बन सकता है। लोगों ने बताया कि नगर पंचायत बनने की ओर अग्रसर हरसिद्धि के लिए यह झील राजस्व का बड़ा स्रोत साबित हो सकती है। स्थानीय लोगों ने इसकी तुलना पश्चिमी चंपारण स्थित प्रसिद्ध अमवा मन पर्यटन स्थल से करते हुए कहा कि उसी तर्ज पर विकसित होने पर यह स्थान सरकार के लिए आय का बेहतर विकल्प बन सकता है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई कर झील के संरक्षण और सौंदर्यीकरण की दिशा में ठोस पहल करने की मांग की है।

झील की जमीन पर भूमाफियाओं व अतिक्रमणकारियों की गिद्ध दृष्टि, अस्तित्व पर मंडरा रहा खतरा

बीएनएम @राकेश कुमार

हरसिद्धि/मोतिहारी। ऐतिहासिक हरसिद्धि-सोनबरसा झील आज भूमाफियाओं व अतिक्रमणकारियों की गिद्ध दृष्टि का शिकार बनती जा रही है। प्राकृतिक सुंदरता और विशाल जलक्षेत्र के लिए पहचान रखने वाली यह झील धीरे-धीरे सिकुड़ती जा रही है। झील की जमीन पर लगातार बढ़ते अवैध कब्जों ने इसके अस्तित्व पर खतरा खड़ा कर दिया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि यदि समय रहते प्रशासन ने ठोस कार्रवाई नहीं की, तो आने वाले वर्षों में यह ऐतिहासिक जलाशय केवल कागजों तक सीमित होकर रह जाएगा। ग्रामीणों का कहना है कि झील के चारों ओर की सरकारी भूमि पर कुछ लोगों द्वारा अवैध रूप से मिट्टी भराई, पक्का व चहारदीवारी निर्माण, झोपड़ी निर्माण और निजी उपयोग के लिए कब्जा किया जा रहा है। इससे झील का क्षेत्रफल लगातार कम होता जा रहा है।

निगरानी ब्यूरो की बड़ी कार्रवाई, रिश्वत लेते पुलिस कार्यालय का रीडर गिरफ्तार

बीएनएम @पटना/सीतामढ़ी

पटना/सीतामढ़ी। भ्रष्टाचार के खिलाफ निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की कार्रवाई में बड़ी सफलता मिली है। ब्यूरो की मुख्यालय टीम ने सीतामढ़ी जिले के पुपरी अंचल पुलिस निरीक्षक कार्यालय में कार्यरत पीटीसीओ सह रीडर गोविंद कुमार चौधरी को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, आरोपी के खिलाफ शिकायत मिली थी कि वह एक मामले में कुछ धाराओं तथा नाबालिग भांजा का नाम हटाने के एवज में रिश्वत की मांग कर रहा था। शिकायतकर्ता ने इसकी सूचना निगरानी ब्यूरो को दी थी। शिकायत के सत्यापन के दौरान रिश्वत मांगने की पुष्टि होने के बाद निगरानी थाना में मामला दर्ज किया गया और पुलिस उपाधीक्षक कुपाल चंद्र जायसवाल के नेतृत्व में धावादल का गठन किया गया। टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी गोविंद कुमार चौधरी को रिश्वत लेते गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी से पूछताछ की जा रही है। उसे विशेष निगरानी न्यायालय, मुजफ्फरपुर में प्रस्तुत किया जाएगा। निगरानी ब्यूरो ने बताया कि मामले में आगे की अनुसंधानात्मक कार्रवाई जारी है।

अरेराज पुलिस को बड़ी सफलता, चोरी करने वाली तीन शातिर महिलाएं गिरफ्तार

बीएनएम @अरेराज

अरेराज। धार्मिक एवं सार्वजनिक स्थलों पर बढ़ रही चोरी और झपटमारी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत अरेराज पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। थानाध्यक्ष प्रत्याशा कुमारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने भीड़-भाड़ का फायदा उठाकर चोरी करने वाली तीन शातिर महिलाओं को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार महिलाओं के पास से चोरी के जेवर, मोबाइल फोन और नकदी बरामद की गई है। जानकारी के अनुसार रविवार को पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि अरेराज के मार्कंडे चौक पर कुछ संदिग्ध महिलाएं भीड़ का फायदा उठाकर राहगीरों और श्रद्धालुओं के पर्स, नकदी एवं गहनों की चोरी कर रही हैं। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष प्रत्याशा कुमारी ने गश्ती दल को सक्रिय करते हुए बताए गए स्थान पर छापेमारी कराई। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर तीन महिलाओं को संदिग्ध स्थिति में हिरासत में लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से सोने जैसा दिखने वाला एक नथिया, एक नथ, कान के जेवर, एक ओप्पो मोबाइल फोन तथा 8310 रुपये नकद बरामद किए गए। पूछताछ में महिलाओं की पहचान मुजफ्फरपुर जिले के करजा थाना क्षेत्र अंतर्गत मारवन निवासी प्रीति देवी, मीनू देवी और राधना देवी के रूप में हुई। तीनों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। इस कार्रवाई में पु०अ०नि० भरत सहनी सहित अरेराज थाना एवं मंदिर सशस्त्र बल के जवानों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। स्थानीय लोगों ने अरेराज पुलिस की तत्परता और थानाध्यक्ष प्रत्याशा कुमारी की सक्रिय कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि इस कार्रवाई से बाजार और धार्मिक स्थलों पर आने वाले लोगों में सुरक्षा का भरोसा मजबूत हुआ है।

उपभोक्ता हित संरक्षण मंच की शिकायत पर कलश मिल्क इंडस्ट्रीज में छापा, मानक विपरीत संचालन का खुलासा

बीएनएम @रक्सौल/बीरगंज

रक्सौल/बीरगंज। उपभोक्ता हित संरक्षण मंच की शिकायत पर पर्सा जिले के पकाहा मैनपुर गाउँपालिका–1 स्थित धोरे में संचालित कलश मिल्क इंडस्ट्रीज में अनुगमन टीम ने छापेमारी की। जांच के दौरान उद्योग में विभिन्न मानकों के उल्लंघन और स्वच्छता संबंधी गंभीर कमियां सामने आईं। दूध एवं उससे बने उत्पादों का निर्माण करने वाले इस उद्योग में दूध, आइसक्रीम, घी, खोवा और पनीर का उत्पादन किया जा रहा था। जांच में पाया गया कि उद्योग द्वारा "दुग्ध तथा दूध पदार्थ उत्पादन स्वच्छता एवं गुणस्तर निर्देशिका–2018" के तहत निर्धारित आवश्यक मापदंडों का पालन नहीं किया जा रहा था। अनुगमन टोली के अनुसार उद्योग परिसर में साफ-सफाई की स्थिति खराब थी। उत्पादन में उपयोग किए जा रहे कई मशीन जर्जर अवस्था में मिले, जबकि आवश्यक दस्तावेज भी अद्यतन नहीं पाए गए। उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य से जुड़े इन मामलों को गंभीर मानते हुए टीम ने उद्योग प्रबंधन को तत्काल सुधार के निर्देश दिए तथा जुर्माना भी लगाया। जांच के बाद उद्योग को लिखित निर्देश जारी कर 24 घंटे के भीतर सभी आवश्यक कागजात के साथ संबंधित कार्यालय में उपस्थित होने को कहा गया है। साथ ही निर्धारित गुणवत्ता मानकों का पालन नहीं किए जाने के कारणों का स्पष्ट विवरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। निर्देश का पालन नहीं करने पर खाद्य ऐन एवं नियमावली के तहत कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। अनुगमन टोली ने व्यवसायियों से खाद्य सामग्री के उत्पादन में स्वच्छता और गुणवत्ता बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि उपभोक्ताओं को सुरक्षित एवं स्वस्थ खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना प्राथमिक जिम्मेदारी है। मानकों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ भविष्य में और सख्त कार्रवाई की जाएगी। अनुगमन टोली में वाणिज्य, आपूर्ति तथा उपभोक्ता संरक्षण कार्यालय वीरगंज के मधुलेश प्रसाद साह, खाद्य प्रविधि तथा गुण नियंत्रण कार्यालय के श्रवण कुमार साह, जिला प्रशासन कार्यालय के सोनुराज साह कानु, उपभोक्ता हित संरक्षण मंच के सदस्य प्रकाश कुमार साह, धोरे वडा कार्यालय के राजु बाबू कुमार मेहता तथा पत्रकार अभिलाष गुप्ता सहित अन्य लोग शामिल थे। अनुगमन टीम ने कहा कि उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य से जुड़े खाद्य उद्योगों एवं व्यवसायों की भविष्य में भी लगातार निगरानी और जांच जारी रहेगी।

हरसिद्धि पुलिस की कार्रवाई, दो शराब कारोबारी गिरफ्तार

बीएनएम @हरसिद्धि/मोतिहारी

हरसिद्धि / मोतिहारी। हरसिद्धि थाना पुलिस ने शराब कारोबारियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत छापेमारी कर दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से कुल 22 लीटर देशी चुलाई शराब बरामद की है। जानकारी के अनुसार पुलिस ने गायघाट गांव में छापेमारी कर ललन महतो (30 वर्ष), पिता रामायण महतो, को उसके घर से 20 लीटर देशी चुलाई शराब के साथ गिरफ्तार किया। वहीं दूसरी कार्रवाई में जागापाकड़ गांव निवासी संजय राम (28 वर्ष), पिता स्वर्गीय चन्नू राम, को उसके घर से 2 लीटर देशी चुलाई शराब के साथ पकड़ा गया। पुलिस ने दोनों आरोपितों के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है। हरसिद्धि थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि क्षेत्र में अवैध शराब कारोबार के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसी भी सूरत में शराब कारोबारियों को बख्शा नहीं जाएगा। आम लोगों से भी अवैध शराब की सूचना पुलिस को देने की अपील की गई है, ताकि क्षेत्र को नशामुक्त बनाया जा सके।

जिला पदाधिकारी के जनसुनवाई कार्यक्रम में 60 मामलों की सुनवाई

बीएनएम @ बेतिया

बेतिया। जिला मुख्यालय स्थित समाहरणालय में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में आज जिलाधिकारी तरनजोत सिंह ने एक-एक कर सभी फरियादियों की शिकायतें सुनीं और उनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। कार्यक्रम के दौरान 60 मामलों की सुनवाई की गई। इनमें भूमि विवाद, राजस्व संबंधी मुद्दे, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, बिजली आपूर्ति, पेयजल व्यवस्था, सड़क निर्माण व मरम्मत तथा राशन कार्ड से जुड़ी शिकायतें प्रमुख रहीं। कई मामलों में जिलाधिकारी के हस्तक्षेप से मौके पर ही समाधान कर दिया गया, जिससे लोगों को तत्काल राहत मिली। जनसुनवाई में जग्रनाथ हजरा, रामानुज राव, मधुरेन्द्र यादव, ललिता देवी, शेषनाथ प्रसाद, नितेश कुमार, मिथुन राम, सुदामा यादव, नेहाल अख्तर, रूबी रानी सहित अन्य आवेदकों ने अपनी समस्याएं प्रशासन के समक्ष रखीं।जनसुनवाई के दौरान अपर समाहर्ता राजीव रंजन सिन्हा, अपर समाहर्ता सह जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, अनिल कुमार सिन्हा, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी अमरेन्द्र कुमार, वरीय उप समाहर्ता, रोचना माद्री, पीजीआरओ, बेतिया, मासूम अंसारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

कोटवा कॉलेज के पास युवक की चाकू गोदकर हत्या, इलाके में सनसनी

बीएनएम @मोतिहारी/कोटवा

मोतिहारी/कोटवा। जिले के कोटवा थाना क्षेत्र अंतर्गत कोटवा कझिया स्थित कॉलेज परिसर में दिनदहाड़े हुई चाकूबाजी की घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। बाइक सवार अपराधियों ने एक युवक पर ताबड़तोड़ चाकू से हमला कर उसकी हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। मृतक की पहचान कल्याणपुर थाना क्षेत्र के परसौनी वाजिद पंचायत अंतर्गत देवपुर परसा गांव निवासी 21 वर्षीय रितेश कुमार, पिता विद्या प्रसाद यादव के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार रितेश कुमार कॉलेज परिसर में मौजूद था। इसी दौरान बाइक पर सवार होकर पहुंचे कुछ अपराधियों ने उस पर अचानक चाकू से हमला कर दिया। अपराधियों ने युवक पर कई वार किए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर गिर पड़ा। घटना के बाद कॉलेज परिसर में अफरा-तफरी मच गई। उस समय कॉलेज में परीक्षा चल रही थी, जिसके कारण बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं और अभिभावक भी मौजूद थे। घटना की सूचना मिलते ही कोटवा डायल-112 टीम के अधिकारी अजय कुमार एवं चालक रूबास यादव मौके पर पहुंचे और घायल युवक को तत्काल कोटवा पीएचसी ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। दिनदहाड़े हुई हत्या की खबर फैलते ही इलाके में दहशत का माहौल बन गया। सूचना पर डीएसपी सदर-2 जीतेश पांडेय, एफएसएल टीम एवं पुलिस पदाधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने में लग गए। एफएसएल की टीम वैज्ञानिक तरीके से जांच कर रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार अपराधियों की पहचान कर ली गई है और उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। घटनास्थल पर परवेक्षी पदाधिकारी सुरेश यादव, कोटवा थानाध्यक्ष मुकेश कुमार, अपर थानाध्यक्ष सूर्यकांत प्रसाद, पीएसआई अमन कुमार, प्रभात प्रसाद, भोपतपुर थानाध्यक्ष विकास कुमार सहित कई पुलिसकर्मी मौजूद थे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी सदर अस्पताल भेज दिया है तथा आगे की कार्रवाई जारी है।

भाजपा क्षमता अब कमजोर

विपक्ष के एकजुट रहने का संदेश है कि जनमत की प्रतिक्रिया उभार कर निर्णायक दबाव बनाने की भाजपा क्षमता अब कमजोर पड़ रही है। मगर प्रधानमंत्री इससे बेखबर नजर आए। नतीजतन, राजनीतिक गतिरोध अब और बढ़ेगा। अपने 12 साल के कार्यकाल की सबसे बड़ी विधायी पराजय का सामना करने के बाद नरेंद्र मोदी सरकार आत्म-निरीक्षण करे, तो वह विश्वास, पारदर्शिता, और साफ़गोई का महत्त्व बेहतर ढंग से समझ सकती है। मकसद परिसीमन था, तो उस पर महिला आरक्षण का मुलम्मा चढ़ाने क्या जरूरत थी? विपक्ष चकमा खा जाएगा या महिला विरोधी ना दिखने की जुगत में लोकसभा सदस्यों की संख्या में बढ़ोतरी को अपना समर्थन दे देगा, ऐसी सोच रखना अपनी बुद्धि पर अत्यधिक यकीन ही माना जाएगा। दांव शायद भी था कि चूंकि उत्तर प्रदेश की लोकसभा सीटें सबसे ज्यादा बढ़ने वाली थीं, इसलिए समाजवादी पार्टी अपनी क्षेत्रीय गणना के तहत विपक्षी खेमे से टूट जाएगी। मगर ऐसी सोच साम-दाम- दंड-भेद के नज़रिए को जाहिर करती हैं। अब साफ है कि ऐसे नजरिये के कामयाब होते रहने की समयसीमा होती है। बढ़ी आबादी को देखते हुए लोकसभा की सदस्य संख्या में बढ़ोतरी अतार्किक नहीं है। ना ही सैद्धांतिक दृष्टिकोण से जनसंख्या आधारित परिसीमन का विरोध किया जा सकता है। मगर मुद्दा वो संदर्भ है, जिसमें ये पहल की गई। भाजपा सरकार के व्यवहार एवं नीतियों से राजनीतिक तर्क में गहरा अविश्वास पैदा हुआ है। संवाद के मंचों को खत्म करना, राज्यपालों के जरिए गैर-भाजपा सरकारों को परेशान करना, मज़हब - भाषा आधारित विभाजक एजेंडे को हवा देना, विपक्षी नेताओं के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग आदि जैसी अनेक प्रवृत्तियां हैं, जिनका साया लोकतंत्र के मूलभूत तकाजों पर पड़ा है। इसका ताजा शिकार परिसीमन की विधायी पहल हुई। बेहतर होता राष्ट्र के नाम प्रसारण में विपक्ष को कोसने के बजाय प्रधानमंत्री इन प्रश्नों पर आत्म-मंथन करते दिखते। नरेंद्र मोदी इस बार विपक्ष के एकजुट रहने का संदेश समझने की कोशिश करते। संदेश यह है कि एजेंडा सेट करने और जनमत की प्रतिक्रिया उभार कर निर्णायक दबाव बनाने की भाजपा क्षमता अब कमजोर पड़ रही है। विपक्ष का आकलन संभवतः यह है कि इन तरीकों से भाजपा जितना ध्रुवीकरण कर सकती थी, कर चुकी। बहरहाल, प्रधानमंत्री इससे बेखबर नजर आए। नतीजतन, गतिरोध और बढ़ेगा। आगे का रास्ता सिर्फ संवाद से संभव है। मगर उसके लिए कम-से-कम इतनी ईमानदारी जरूरी होगी, जिससे दूसरे पक्ष में भरोसा पैदा हो।

ऊर्जा संकट में सरकार बनी ढाल

डॉ. सुरेश नारायण मिश्रा

होर्मुज मार्ग बंद होने से दुनिया झुलस रही है ऊर्जा संकट की आग से मोदी सरकार ने सूझबूझ से जनता पर नहीं आने दी इस संकट की आंच, खुद उठाया बोझ।5 भारत में सामान्य रूप से होते रहे सभी कार्य जनता को भी देना होगा धैर्य के साथ देश का साथ

वैश्विक युद्ध और होर्मुज संकट का असर आज पूरी दुनिया महसूस कर रही है। युद्ध की लपटें केवल सीमाओं तक सीमित नहीं हैं, उनका असर हर घर की रसोई, हर वाहन के पहिए और हर परिवार के बजट तक पहुंच चुका है। कई देशों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें इतिहास के उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं, पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें लगीं, महंगाई ने आम आदमी की कमर तोड़ दी और सरकारें अपने नागरिकों के गुस्से का सामना करने को मजबूर हो गईं। लेकिन इसी उथल-पुथल के बीच आज युद्ध के लगभग 11 सप्ताह बीतने पर भी भारत में जीवन की सामान्य गति बनी रही, करोड़ों परिवारों के चूल्हे जलते रहे, गाड़ियां चलती रहीं। यह अपने आप नहीं हुआ। इसके पीछे एक ऐसी नीति, ऐसी तैयारी और ऐसी संवेदनशील सोच थी जिसने वैश्विक तूफान के सामने भारत के नागरिकों को ढाल बनकर संरक्षण दिया। जब दुनिया ऊर्जा संकट की आग में झुलस रही थी, तब मोदी सरकार एक संरक्षक की तरह अपने नागरिकों के साथ खड़ी रही। जैसे द्वापर में भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत उठाकर ब्रजवासियों को बचाया था, वैसे ही इस कठिन समय में सरकार ने बढ़ती वैश्विक कीमतों और आर्थिक दबाव का बड़ा हिस्सा स्वयं अपने ऊपर उठाया, ताकि उसका बोझ सीधे जनता की थाली, रसोई और जेब तक न पहुंचे।

यही कारण है कि आज यह संकट केवल आर्थिक प्रबंधन की कहानी नहीं, बल्कि संवेदनशील शासन, दूरदर्शी नेतृत्व और नागरिकों के प्रति उत्तरदायित्व की मिसाल बन चुका है। दुनिया भर में बढ़ती कीमतों का बोझ सीधे जनता पर डाल देना सबसे आसान रास्ता था और कई देशों ने ऐसा ही किया, लेकिन भारत ने यह रास्ता नहीं चुना। मोदी सरकार ने स्वयं भारी आर्थिक दबाव सहा ताकि आम आदमी की रसोई और रोजमर्रा की जिंदगी पर कम से कम असर पड़े। सरकार ने लगभग पेट्रोल पर 24 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल पर 30 रुपये प्रति लीटर का भार वहन किया। 28 फरवरी के बाद से वैश्विक स्तर पर पेट्रोल-डीजल की कीमतों में जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की गई। यूरोप और एशिया के कई देशों में पेट्रोल 30 से लेकर 35 प्रतिशत तक महंगा हुआ, जबकि भारत में कोई बदलाव नहीं किया गया। हांगकांग में आज पेट्रोल सबसे महंगा है। वहाँ एक लीटर की कीमत लगभग 295 रुपये पहुंच गई है, जो 28 फरवरी के बाद 25 प्रतिशत बढ़ी है। सिंगापुर में दाम 30 प्रतिशत बढ़कर करीब 240 रुपये प्रति लीटर हो गया है। नीदरलैंड में पेट्रोल 225 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है, जो 28 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। युद्धग्रस्त इजराइल में पेट्रोल 30 प्रतिशत महंगा होकर 185 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है। वहीं भारत में अब भी पेट्रोल की कीमत 95 रुपये प्रति लीटर है।

प्रतिदिन लगभग 1,000 करोड़ का घाटा उठाना कोई साधारण बात नहीं है। अब तक लगभग 68,000 करोड़ का बोझ सरकार और तेल कंपनियों ने अपने ऊपर लिया है। यह आंकड़ा उस संवेदनशील सोच का प्रमाण है जिसमें मोदी सरकार ने पहले नागरिकों की चिंता की और बाद में अपने खजाने की। सोचिए, यदि यही संकट बिना तैयारी के आया होता तो क्या स्थिति होती? रसोई गैस महंगी होती, परिवहन लागत बढ़ती, महंगाई हर घर तक पहुंचती और मध्यम वर्ग से लेकर गरीब तक का बजट डगमगा जाता। लेकिन साल 2014 में मोदी सरकार के सत्ता में आते ही स्थितियां बदलनी शुरू हुईं। पिछले वर्षों में ऊर्जा सुरक्षा को लेकर जो दूरदर्शी तैयारी की गई, वही आज देश की ढाल बनकर खड़ी है। तेल भंडार तैयार किए गए, एथनॉल ब्लेंडिंग बढ़ाई गई, वैकल्पिक ईंधन नेटवर्क विकसित हुआ और रिफाइनिंग क्षमता का विस्तार शुरू हुआ। वैकल्पिक ईंधन के माध्यम से एलपीजी की मांग को 70 से 75 हजार टन प्रति दिन कम किया गया। यह केवल इसलिए संभव हुआ क्योंकि पीएनजी, मिट्टी का तेल, ईंधन तेल और बायोमास की वैकल्पिक अवसंरचना संकट से पहले से तैयार थी। जापान और दक्षिण कोरिया के बाद भारत ही ऐसा देश है जो 30-दिवसीय एलपीजी भंडार की योजना बना रहा है।

इस युद्ध से उत्पन्न संकट से पता चलता है ये हमारी आज की आवश्यकता है। आज भारत के पास 5.33 मिलियन टन का रणनीतिक तेल भंडार है और दूसरे चरण के तहत चंडीखोल, पादुर और बीकानेर में अतिरिक्त भंडारण क्षमता तैयार की जा रही है। यह केवल परियोजनाएं नहीं हैं, बल्कि भविष्य के संकटों से देशवासियों को सुरक्षित रखने की तैयारी है। एथनॉल मिश्रण की नीति ने भी इस कठिन समय में देश को बड़ी राहत दी। 20 प्रतिशत ब्लेंडिंग के कारण भारत विदेशी मुद्रा की भारी बचत कर पा रहा है। संकट के दौरान वैकल्पिक ईंधन व्यवस्था के जरिए एलपीजी की मांग में प्रतिदिन 70 से 75 हजार टन तक कमी लाई गई। ये कदम बताते हैं कि सरकार ने केवल आज के लिए नहीं, बल्कि आने वाले वर्षों के लिए भी सुरक्षा का रास्ता तैयार किया है।

युद्ध अब भी जारी है। आने वाले समय में कठिन फैसले लेने पड़ सकते हैं। लेकिन देश को यह नहीं भूलना चाहिए कि जब पूरी दुनिया दबाव में थी, तब भारत सरकार ने अपने नागरिकों को अकेला नहीं छोड़ा। उसने एक अभिभावक की तरह जिम्मेदारी निभाई। सरकारें केवल योजनाओं और घोषणाओं से बड़ी नहीं बनतीं, बल्कि कठिन समय में अपने लोगों के साथ खड़े होने से बड़ी बनती हैं। इस वैश्विक संकट के दौर में भारत ने यही करके दिखाया है। यही कारण है कि आज देश का आम नागरिक सिर्फ राहत महसूस नहीं कर रहा, बल्कि उसके मन में यह भरोसा भी मजबूत हुआ है कि संकट चाहे कितना भी बड़ा क्यों न हो, देश उसके साथ खड़ा है। हालांकि यह संकट अभी पूरी तरह टला नहीं है। समय की मांग यह भी है कि देश के नागरिक भी आने वाली चुनौतियों के प्रति सजग, संयमित और तैयार रहें। नागरिकों का कर्त्तव्य है कि ऊर्जा का इस्तेमाल किफायत से करें। वैश्विक संकट के बीच ढाल बनी भारत सरकार का धैर्यपूर्वक साथ दें।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

समाज के लिए नर्सों के योगदान को नमन

योगेश कुमार गोयल

- अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस (12 मई) पर विशेष

दया और सेवा की प्रतिमूर्ति फ्लोरेंस नाइटिंगेल को आधुनिक नर्सिंग की जन्मदाता माना जाता हैं, जिनकी इस वर्ष हम 206वीं जयंती मना रहे हैं। प्रतिवर्ष उन्हीं की जयंती को 12 मई को एक विशेष थीम के साथ 'अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस' के रूप में मनाया जाता है और इस विशेष अवसर पर स्वास्थ्य क्षेत्र में कार्यरत नर्सिंग कर्मियों के योगदान को नमन करना बेहद जरूरी है। इस वर्ष यह दिवस 'हमारी नर्सें। हमारा भविष्य। सशक्त नर्सें जीवन बचाती हैं।' थीम के साथ मनाया जा रहा है। इस विषय का उद्देश्य सुरक्षित वातावरण, उचित वेतन और नेतृत्व के अवसरों के माध्यम से नर्सों को सहायता और प्रशिक्षण प्रदान करना है ताकि रोगी देखभाल और स्वास्थ्य परिणामों में सुधार किया जा सके। 'लेडी विद द लैंप' के नाम से विख्यात नाइटिंगेल का जन्म 206 वर्ष पहले 12 मई 1820 को इटली के फ्लोरेंस शहर में हुआ था। भारत सरकार द्वारा वर्ष 1973 में नर्सों द्वारा किए गए अनुकरणीय कार्यों को सम्मानित करने के लिए उन्हीं के नाम से 'फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार' की स्थापना की गई थी, जो प्रतिवर्ष अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस के अवसर पर प्रदान किए जाते हैं।

फ्लोरेंस नाइटिंगेल एक बेहद खूबसूरत, पढ़ी-लिखी और समझदार युवती थी। उन्होंने अंग्रेजी, इटेलियन, लैटिन, जर्मनी, फ्रैंच, इतिहास और दर्शन शास्त्र सीखा था तथा अपनी बहन और माता-पिता के साथ कई देशों की यात्रा की थी। मात्र 16 वर्ष की आयु में ही उन्हें अहसास हो गया था कि उनका जन्म सेवा कार्यों के लिए ही हुआ है। हालांकि उस दौर में नर्सिंग को एक सम्मानित व्यवसाय भी नहीं माना जाता था, इसलिए उनके माता-पिता का मानना था कि धनी परिवार की लड़की के लिए वह पेशा सही नहीं है। दरअसल वह ऐसा समय था, जब अस्पताल बेहद गंदी जगह पर होते थे और वहां बीमार लोगों की मौत के बाद काफी भयावह माहौल हो जाता था। 1850 में फ्लोरेंस ने जर्मनी में प्रोटेस्टेंट डेकोनेसिस संस्थान में दो सप्ताह की अवधि में एक नर्स के रूप में अपना प्रारम्भिक प्रशिक्षण पूरा किया।

मरीजों, गरीबों और पीड़ितों के प्रति उनके सेवाभाव को देखते हुए आखिरकार उनके माता-पिता द्वारा वर्ष 1851 में उन्हें नर्सिंग की आगे की पढ़ाई के लिए अनुमति दे दी गई, जिसके बाद उन्होंने जर्मनी में महिलाओं के लिए एक क्रिश्चियन स्कूल में नर्सिंग की पढ़ाई शुरू की, जहां उन्होंने मरीजों की देखभाल के तरीकों और अस्पतालों को साफ रखने के महत्व के बारे में जाना। फ्लोरेंस का नर्सिंग के क्षेत्र में पहली बार अहम योगदान 1854 में क्रीमिया युद्ध के दौरान देखा गया। उस समय ब्रिटेन, फ्रांस और तुर्की की रूस से लड़ाई चल रही थी और सैनिकों को रूस के क्रीमिया में लड़ने के लिए भेजा गया था। युद्ध के दौरान सैनिकों के जख्मी होने, ठंड, भूख तथा बीमारी से मरने की खबरें आई। युद्ध के समय वहां उनकी देखभाल के लिए कोई उपलब्ध नहीं है। ऐसे में ब्रिटिश सरकार द्वारा फ्लोरेंस के नेतृत्व में अक्तूबर 1854 में 38 नर्सों का एक दल घायल सैनिकों की सेवा के लिए तुर्की भेजा गया। फ्लोरेंस ने वहां पहुंचकर देखा कि किस प्रकार वहां अस्पताल घायल सैनिकों से खचाखच भरे हुए थे, जहां गंदगी, दुर्गंध, दवाओं तथा उपकरणों की कमी, दूषित पेयजल इत्यादि के कारण असुविधाओं के बीच संक्रमण से सैनिकों की बड़ी संख्या में मौतें हो रही थी। फ्लोरेंस ने अस्पताल की हालत सुधारने के अलावा घायल और बीमार सैनिकों की देखभाल में दिन-रात एक कर दिया, जिससे सैनिकों की स्थिति में काफी सुधार हुआ। उनकी अथक मेहनत के परिणामस्वरूप ही अस्पताल में सैनिकों की मृत्यु दर में बहुत ज्यादा कमी आई। उस समय किए गए उनके सेवा कार्यों के लिए ही सभी सैनिक उन्हें आदर और प्यार से 'लेडी विद द लैंप' कहने लगे थे। दरअसल जब चिकित्सक अपनी ड्यूटी पूरी करके चले जाते, तब भी वह रात के गहन अंधेरे में हाथ में लालटेन लेकर घायलों की सेवा के लिए उपस्थित रहती थी

1856 में युद्ध की समाप्ति के बाद जब वह वापस लौटी, तब स्वयं महारानी विक्टोरिया ने पत्र लिखकर उनका धन्यवाद किया। उसके कुछ ही माह बाद रानी विक्टोरिया से उनकी मुलाकात हुई और उनके सुझावों के आधार पर ही वहां सैन्य चिकित्सा प्रणाली में बड़े पैमाने पर सुधार संभव हुआ और वर्ष 1858 में रॉयल कमीशन की स्थापना हुई। उसके बाद ही अस्पतालों की सफाई व्यवस्था पर ध्यान देना, सैनिकों को बेहतर खाना, कपड़े और देखभाल की सुविधा मुहैया कराना तथा सेना द्वारा डॉक्टरों को प्रशिक्षण देने जैसे कार्यों की शुरूआत हुई। सेवाभाव से किए गए फ्लोरेंस नाइटिंगेल के कार्यों ने नर्सिंग व्यवसाय का चेहरा ही बदल दिया था, जिसके लिए उन्हें रेडक्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति द्वारा सम्मानित किया गया। मरीजों, गरीबों और पीड़ितों के प्रति फ्लोरेंस की सेवा भावना को देखते हुए ही नर्सिंग को उसके बाद महिलाओं के लिए सम्मानजनक पेशा माना जाने लगा और उनकी प्रेरणा से ही नर्सिंग क्षेत्र में महिलाओं को आने की प्रेरणा मिली। फ्लोरेंस के अथक प्रयासों के कारण ही रोगियों की देखभाल तथा अस्पताल में स्वच्छता के मानकों में अपेक्षित सुधार हुआ। 90 वर्ष की आयु में 13 अगस्त 1910 को फ्लोरेंस नाइटिंगेल का निधन हो गया, जिनकी कब्र सेंट मार्गरेट गिरजाघर के प्रांगण में है। उनके सम्मान में ही उनके जन्मदिवस 12 मई को 'अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस' के रूप में मनाए जाने की शुरूआत की गई।

(लेखक 36 वर्षों से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार और 'सागर से अंतरिक्ष तकः भारत की रक्षा क्रांति' सहित कई पुस्तकों के लेखक हैं)

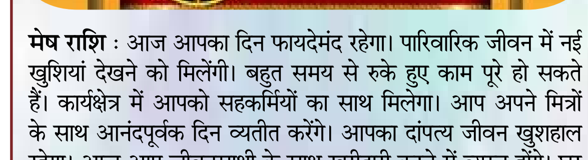

मेष राशि : आज आपका दिन फायदेमंद रहेगा। पारिवारिक जीवन में नई खुशियां देखने को मिलेंगी। बहुत समय से रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपको सहकर्मियों का साथ मिलेगा। आप अपने मित्रों के साथ आनंदपूर्वक दिन व्यतीत करेंगे। आपका दांपत्य जीवन खुशहाल रहेगा। आज आप जीवनसाथी के साथ खरीदारी करने में व्यस्त होंगे। घर में फंक्शन होने की संभावना है। कुछ लोग साझेदारी में व्यापार शुरू करेंगे।

वृषभ राशिः आज आपका दिन उत्तम रहेगा। किसी भी काम को करते समय अपना मन शांत रखना चाहिए। इससे आपका काम आसानी से पूरा होगा। पैसों से जुड़े बड़े फैसले आपको सोच-समझकर ही लेने चाहिए। किसी पुरानी बात को लेकर आप उलझन की स्थिति में आ सकते हैं। घरवालों के साथ कहीं बाहर घूमने जाना आपके लिये अच्छा रहेगा। कोर्ट-कचहरी के मामले में आपको किसी अनुभवी व्यक्ति से ही सलाह लेनी चाहिए। छात्रों के लिये दिन ठीक रहेगा।

मिथुन राशिः आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आप अपने व्यवहार को निखारने की कोशिश करेंगे। आपके कुछ कामों में अधिक समय लगेगा, जिससे आपको ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। ऑफिस में आपको कुछ लोगों से मदद मिलेगी। स्पोर्ट्स से जुड़े लोगों की आज शानदार जीत होगी। इस राशि वाले छात्रों को आज पढ़ाई पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है।

कर्क राशिः आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। किसी व्यक्ति से आपको उम्मीद से अधिक फायदा होगा। घर के किसी काम को पूरा करने में बड़े-बुजुर्ग की राय आपके लिए कारगर साबित होगी। इस राशि के लवमेट के लिए आज का दिन बढ़िया है। थोड़ी मेहनत से किसी बड़े धन लाभ का अवसर प्राप्त होगा। नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं को आज किसी बड़ी कंपनी में जॉब मिलेगी।

सिंह राशिः आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आपका दिन घूमने-फिरने में अधिक बीत सकता है। परिवार वालों के साथ समय बितायेंगे। इस राशि के व्यापारी वर्ग को अचानक बड़ा धन लाभ होगा। आपका आर्थिक पक्ष पहले की अपेक्षा मजबूत होगा। पैसों की स्थिति में बड़े बदलाव होने की संभावना है। आपके काम से आपका जीवनसाथी प्रसन्न रहेंगे।

कन्या राशिः आज आपका दिन आनंदमय होगा। आज आपको खुशखबरी मिलेगी। नौकरी में प्रमोशन की आपकी प्रतीक्षा समाप्त होगी। नई पोस्ट पर काम का दबाव बढ़ेगा। आप पूरी सावधानी से काम करें। आज आप घर परिवार की समस्याओं को सुलझाने में कामयाब रहेंगे। आपके लिए आर्थिक लाभ की स्थिति बनेगी।

तुला राशिः आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। बच्चे आपको शुभ समाचार देंगे, जिससे परिवार के सभी सदस्य खुश होंगे। सेहत के मामले में आप खुद को स्वस्थ महसूस करेंगे। आपको अपनी मेहनत का फल जरूर मिलेगा। किसी रचनात्मक कार्य में आपका नाम होगा और आपको प्रसिद्धि मिलेगी। आपको आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आप अपने कार्यक्षेत्र में बेहतर ढंग से काम करने की कोशिश करेंगे। मेहनत से किये गये काम में आपको सफलता मिलेगी। इस राशि के कॉलेज के स्टूडेंट्स को नये प्रोजेक्ट पर काम करने का मौका मिलेगा। बड़ों का सहयोग आपके करियर को आगे बढ़ाने में मदद करेगा।

धनु राशिः आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आप ज्यादा समय परिवार वालों के साथ बिता सकते हैं। आज आपके लिए फैसला करना कठिन होगा। ऑफिस में काम ज्यादा होने के कारण जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने का प्लान कैंसिल करना पड़ेगा। आज आपका मन अध्यात्म की ओर रहेगा, आप धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन करवा सकते है।

मकर राशिः आज आप अपने खर्चे पर कंट्रोल करने की कोशिश करेंगे। इस राशि के स्टूडेंट्स को शिक्षकों का सपोर्ट मिलेगा, जिससे आपका प्रोजेक्ट हो जायेगा। आज लोग आपकी बातों से प्रभावित होंगे। जल्द ही कुछ नई जिम्मेदारियां आपको मिलेगी, जिनको आप अच्छी तरह से निभाएंगे।

कुंभ राशिः आज आपका दिन शानदार रहेगा। आपको परिवार से जुड़ी कई जिम्मेदारियां निभानी पड़ेंगी, जो कि आप अच्छे से संभाल लेंगे। साथ काम करने वाले लोगों से आपको मदद मिलेगी। दोस्तों की मदद से आपके काम की प्लानिंग सफल होगी। अपने व्यक्तित्व को निखारने के लिए आज का दिन बढ़िया है।

मीन राशिः आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। घर पर अचानक रिश्तेदार आ सकते हैं, जिससे घर के माहौल में कुछ अच्छे बदलाव आयेंगे। आज आपको किसी भी तरह के वाद-विवाद से बचने की जरूरत है। किसी से बातचीत करते समय आपको अपनी वाणी पर संयम रखना चाहिए। इस राशि के इंजीनियर्स के लिए आज का दिन फायदेमंद होगा।

मिट्टी के पैरों वाला विशालकाय भारतः वैश्विक रैंकिंग और जमीनी हकीकत के बीच संतुलन

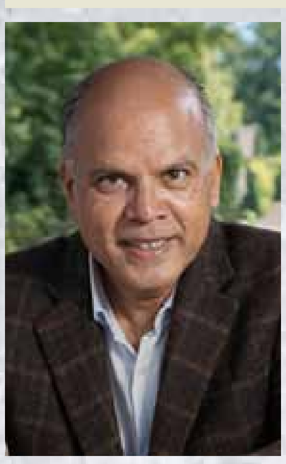

डॉ. पूर्णेंदु रंजन

"$4.15 ट्रिलियन की जीडीपी भारत को एक वैश्विक दिग्गज बनाती है। लेकिन जैसे-जैसे 'होर्मुज जलडमरूमध्य' (Strait of Hormuz) में युद्ध की आहट बढ़ रही है, हमें याद दिलाया जा रहा है कि एक विशालकाय शरीर तब तक कमजोर है जब तक उसके पैर आयात पर निर्भरता और निम्न प्रति-व्यक्ति आय की दलदल में फंसे हैं।"

2026 के चुनावी मौसम का समापन एक ऐसे विरोधाभास के साथ हुआ है जिसे अब अमेरिका-ईरान संघर्ष की आग ने और तीखा कर दिया है। राजनीतिक रूप से स्थिति स्पष्ट हैः एनडीए (NDA) 22 राज्यों और लगभग 78 प्रतिशत आबादी पर शासन कर रहा है। आर्थिक रूप से, मुख्य समाचार यह है कि भारत $4.15 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था के साथ दुनिया के दिग्गजों में शामिल हो गया है।

लेकिन जैसा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कल हैदराबाद में जोर देकर कहा, भारत की इस "दिग्गज" स्थिति की परीक्षा एक ऐसे वैश्विक संकट द्वारा ली जा रही है जिसे हमने शुरू नहीं किया, लेकिन जिसकी कीमत अब हर भारतीय को चुकानी होगी। हमारी वैश्विक रैंकिंग और आम नागरिक के दैनिक संघर्ष के बीच का अंतर अब केवल आंकड़ों की बहस नहीं, बल्कि राष्ट्रीय अस्तित्व का सवाल बन गया है।

युद्ध-ग्रस्त दुनिया में 'प्रति-व्यक्ति आय' का जाल- भारत की व्यापक आर्थिक (Macroeconomic) उपलब्धियां एक नाजुक सूक्ष्म आर्थिक (Microeconomic) वास्तविकता को छिपाए हुए हैं। हमारी प्रति-व्यक्ति आय लगभग $2,813 है, जो हमें दुनिया में काफी नीचे रखती है। यह केवल एक "क्षमता का जाल" नहीं है— यह "भेद्यता (Vulnerability) का जाल" है। जब पश्चिम एशिया में नाकाबंदी के कारण कच्चे तेल की कीमतें $120 के पार पहुंचती हैं, तो $2,813 प्रति-व्यक्ति आय वाला देश उस झटके को $60,000 प्रति-व्यक्ति आय वाली उन्नत अर्थव्यवस्था की तुलना में कहीं अधिक गहराई से महसूस करता है।

महामारी के बाद की रिकवरी- अब भी 'K-आकार' की है, और युद्ध इस 'K' के निचले हिस्से को और अधिक दबाने की धमकी दे रहा है। यदि लोकतंत्र को वास्तविक बनाना है, तो हमें 'जीडीपी-केंद्रित' ढांचे से हटकर 'लचीलापन-केंद्रित' (Resilience-Centric) ढांचे की ओर बढ़ना होगा।

'राष्ट्रीय कर्तव्य' और समावेशी विकास का रोडमैप- यह सुनिश्चित करने के लिए कि 2026 का जनादेश वैश्विक दबाव में न झुके, निम्नलिखित नीतिगत प्राथमिकताओं को एक "सामूहिक राष्ट्रीय कर्तव्य" के रूप में अपनाना अनिवार्य हैः

ऊर्जा संप्रभुता और 'कारपूलिंग' का संकल्प- प्रधानमंत्री का कारपूलिंग और एलपीजी (LPG) के कम उपयोग का आह्वान इस बात की स्वीकृति है कि हमारा ऊर्जा बिल हमारी सबसे बड़ी रणनीतिक कमजोरी है। कारपूलिंग को केवल एक सुझाव से हटाकर एक ढांचागत शहरी नीति बनाने की आवश्यकता है। बचाया गया पेट्रोल का हर एक लीटर, पश्चिम एशिया युद्ध से उत्पन्न मुद्रास्फीति (महंगाई) के खिलाफ एक प्रहार है।

डिजिटल बफरः 'वर्क फ्रॉम होम' (WFH) की वापसी- कल हैदराबाद के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने 'वर्क फ्रॉम होम' और वर्चुअल मीटिंग्स को फिर से शुरू करने पर जो बल दिया, वह समय की मांग है। महामारी के दौर की इन डिजिटल आदतों को पुनर्जीवित करके, भारत परिवहन ईंधन की मांग और बुनियादी ढांचे के बोझ को काफी कम कर सकता है। यह केवल सुविधा की बात नहीं है; यह आर्थिक उत्पादकता को तेल की खपत से अलग करने का जरिया है।

विदेशी मुद्रा भंडार की सुरक्षा- वैश्विक दबाव के बीच रुपये की रक्षा के लिए, प्रधानमंत्री की विदेशी यात्राओं, विदेशी छुट्टियों और 'डेस्टिनेशन वेडिंग्स' से बचने की अपील वास्तव में "विदेशी मुद्रा देशभक्ति" (Forex Patriotism) का आह्वान है। अंतरराष्ट्रीय यात्राओं के बजाय घरेलू पर्यटन को चुनकर और एक वर्ष के लिए गैर-जरूरी सोने की खरीद को रोककर, भारतीय परिवार देश के बजट को अमेरिका-ईरान संघर्ष के दुष्प्रभावों से बचा सकते हैं।

खेती का रसायन-मुक्त होना- यूरिया जैसे रसायनों से दूर हटने की मजबूरी आर्थिक और पारिस्थितिक, दोनों दृष्टि से आवश्यक है। उर्वरक सब्सिडी सरकारी खजाने पर एक बड़ा बोझ है, विशेष रूप से तब जब वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं टूट रही हों। रासायनिक यूरिया के उपयोग में 50% की कमी और प्राकृतिक खेती की ओर झुकाव ही इस "मिट्टी के पैरों वाले विशालकाय भारत" को एक आत्मनिर्भर आधार प्रदान कर सकता है।

पूंजी से श्रम की ओर संतुलन- वैश्विक मंदी के दौरान हाई-एंड सर्विस सेक्टर उन लाखों लोगों को रोजगार नहीं दे सकता जो वर्कफोर्स में शामिल हो रहे हैं। राज्य को कपड़ा, खाद्य प्रसंस्करण और खिलौना जैसे श्रम-प्रधान उद्योगों में रोजगार सृजन को प्रोत्साहित करना चाहिए।

मानव पूंजी के लिए कानूनी गारंटी- संकट के समय में भी स्वास्थ्य और शिक्षा पर खर्च कम नहीं होना चाहिए। भारत को एक न्यूनतम सीमा निर्धारित करनी चाहिए—शिक्षा के लिए जीडीपी का 6% और स्वास्थ्य के लिए 3%। सार्वजनिक स्वास्थ्य और सस्ती बाल देखभाल में निवेश ही मध्यम और निम्न वर्ग के परिवारों को वैश्विक झटकों के दौरान फिर से गरीबी में फिसलने से बचाने का सबसे तेज़ रास्ता है।

प्रक्रियात्मक बनाम वास्तविक लोकतंत्र- 2026 के चुनावों ने साबित कर दिया कि हमारा प्रक्रियात्मक लोकतंत्र—मतदान की प्रक्रिया—जीवंत है। हालांकि, प्रधानमंत्री द्वारा गिनाई गई वर्तमान "मजबूरियां" दर्शाती हैं कि बाहरी झटकों के कारण समानता और सम्मान का दैनिक अभ्यास खतरे में है। पहचान की राजनीति चुनाव जीत सकती है, लेकिन यह गैस सिलेंडर की कीमत कम नहीं कर सकती और न ही मुद्रा को स्थिर कर सकती है। आज भारत को "समावेशी राष्ट्रवाद" की आवश्यकता हैः एक ऐसा देश जहां राष्ट्रीय ताकत नक्शे पर झंडों की संख्या से नहीं, बल्कि पिरामिड के सबसे निचले पायदान पर खड़े परिवार के लचीलेपन से मापी जाए।

निष्कर्ष- मतदान आवश्यक है, लेकिन पर्याप्त नहीं। दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की कतार में शामिल होना गर्व का क्षण है, लेकिन जब तक हम विदेशी सोने, विदेशी तेल और विदेशी रसायनों से बंधे रहेंगे, हमारी "दिग्गज" स्थिति नाजुक बनी रहेगी। समय आ गया है कि हम यह महसूस करें कि "नया भारत" केवल कुछ लोगों का खेल का मैदान नहीं हो सकता; इसे करोड़ों लोगों के लिए एक सुरक्षित किला होना चाहिए। साझा विकास और साझा त्याग—कारपूलिंग, WFH, और विलासिता के आयात पर रोक के माध्यम से—ही यह सुनिश्चित करने का एकमात्र तरीका है कि आज की "मिट्टी के पैरों" वाली वास्तविकता कल की ठोस जमीन बन सके।

(लेखक चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर है)

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

मुंबई के कोच जयवर्धने ने कहा- बहुत सारे अगर-मगर हैं, लेकिन हमने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया

एजेंसी, रायपुर

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मिली दो विकेट की हार के बाद मुंबई इंडियंस का आईपीएल 2026 में प्लेऑफ का सपना पूरी तरह टूट गया। पांच बार की चैंपियन टीम अब इस सीजन ट्रॉफी नहीं जीत पाएगी और उसके सामने अब आखिरी स्थान से बचने की चुनौती है।

मैच के बाद मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच माहेला जयवर्धने ने हार स्वीकार करते हुए कहा कि उनकी टीम पूरे सीजन में उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी। उन्होंने माना कि टीम गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने में नाकाम रही। जयवर्धने ने कहा, "यह सीजन निराशाजनक रहा। हमारे पास मौके थे, लेकिन हम अच्छे नहीं थे। गेंद और बल्ले दोनों से निरंतरता की कमी साफ दिखाई दी। हम प्लेऑफ की दौड़ में बने रह सकते थे, लेकिन दो-तीन जीत हमसे छूट गईं।"

उन्होंने कहा कि अभी पूरे सीजन का विश्लेषण करना मुश्किल है क्योंकि हार की निराशा काफी ताजा है, लेकिन इतना तय है कि टीम अपने कौशल और योजनाओं को सही तरीके से लागू नहीं कर पाई। आरसीबी के खिलाफ मुंबई इंडियंस की हार का सबसे बड़ा कारण आखिरी ओवर माना जा रहा है, जिसमें युवा ऑलराउंडर राज अंगद बावा को गेंद सौंपी गई। बावा अपने चार साल के आईपीएल करियर में पहली बार आखिरी ओवर फेंक रहे थे। उन्होंने ओवर की शुरुआत वाइड और नो-बॉल से की। हालांकि तीसरी गेंद पर रोमारियो शेफर्ड का विकेट लेकर मैच में रोमांच जरूर पैदा किया, लेकिन फिर एक और वाइड डाल दी। इसके बाद भुवनेश्वर कुमार ने छक्का लगाकर बेंगलुरु को जीत दिला दी। इस फैसले पर जयवर्धने ने कहा, "उस समय हमारे सभी प्रमुख गेंदबाज अपने ओवर पूरे कर चुके थे। हमारे पास अनुभवी विकल्प नहीं बचे थे। हमारे पास कुछ स्पिनर थे, लेकिन हमने राज अंगद बावा पर भरोसा जताया। अभ्यास में वह अच्छी यॉर्कर डालते हैं और दबाव में गेंदबाजी करने की क्षमता रखते हैं।" उन्होंने माना कि दबाव में बावा से कुछ गलतियां हुईं, लेकिन टीम ने आखिर तक संघर्ष किया। मुंबई इंडियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 166 रन बनाए। जयवर्धने का मानना है कि टीम 170 से 180 रन तक पहुंच सकती थी, लेकिन बीच के ओवरों में जल्दी विकेट गिरने से टीम बड़ा स्कोर नहीं बना सकी।

आईसीसी महिला टी20 विश्वकप में बीसीबी को टीम से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

एजेंसी, ढाका

बांग्लादेश की महिला क्रिकेट टीम आगामी टी20 महिला विश्वकप क्रिकेट में निगार सुल्ताना जोटी की कप्तानी में उतरेगी जबकि नाहिदा अख्तर को उपकप्तान बनाया गया है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने 0 विश्व कप 2026 के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। विश्वकप इंग्लैंड और वेल्स में 12 जून से शुरु होगा। इसमें दुनिया भर की शीर्ष महिला टीमें उतरेंगी। बीसीबी का कहना है कि बांग्लादेश की टीम बेहतर प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेगी। बांग्लादेश टीम ने इस साल की शुरुआत से ही इसके लिए अभ्यास किया है। आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप 2026 ग्लोबल क्वालिफायर में भी टीम का प्रदर्शन अच्छा रहा है। पूरे टूर्नामेंट के दौरान, चाहे वह ग्रुप स्तर हो या सुपर सिक्स , टीम ने सभी मुकाबले जीते हैं उसिसे वह उत्साहित है। इससे उसका विश्वकप के लिए मनोबल बढ़ा है। विश्व कप के मुख्य मुकाबले शुरू होने से पहले, बांग्लादेश की टीम अपनी तैयारियों को बेहतर करने के लिए 25 मई को स्कॉटलैंड और नीदरलैंड्स के बीच होने वाली त्रिकोणीय-सीरीज़ में भाग लेने एडिनबर्ग जाएगी। यह सीरीज खिलाड़ियों को यूरोपीय हालातों के अनुसार ढ़लने और अपनी रणनीति को परखने का अवसर देगी। त्रिकोणीय-सीरीज़ के समाप्त होने के बाद, टीम लॉफबोरो जाएगी, जहां वे अपने टी-20 विश्व कप वार्म-अप मैचों में भाग लेंगी।

टीम विश्वकप में अपने अभियान की शुरुआत 14 जून को एजबेस्टन में नीदरलैंड्स के खिलाफ मुकाबले से करेगी। बीसीबी के अनुसार टीम की कप्तान निगार सुल्ताना और उपकप्तान नाहिदा अख्तर अनुभवी हैं जो टीम को प्रेरित करेंगी। बीसीबी को उम्मीद है कि टीम विश्वकप में भाग ही नहीं लेगी बल्कि अपने प्रदर्शन से भी प्रभावित करेगी।

वैभव को तीनों प्रारुपों में खेलते देखना चाहिते हैं अश्विन

एजेंसी, चेन्नई

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने आईपीएल के 19 वें सत्र में राजस्थान रॉयल्स से खेल रहे 15 साल के उभरत हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह भविष्य का सितारा है। अश्विन ने ये भी कहा कि वह इस युवा को तीनो प्रारुपों में खेलते हुए देखना चाहते हैं। अश्विन ने वैभव की आक्रामक बल्लेबाजी शैली की सराहना करते हुए कहा, वह जिस प्राकर से सभी गेंदबाजों को निशाना बनाता है। उससे साफ है कि वह निडर है और किसी भी गेंदबाज को खेल सकता है। उन्होंने भरोसा जताया कि वैभव में टेस्ट क्रिकेट खेलने की भी क्षमताएं हैं। अश्विन ने कहा, उसे टेस्ट में जगह मिलेगी तो प्रशंसक स्वयं मैच देखने आएंगे क्योंकि वह दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करता है। उन्होंने वैभव के अंडर-19 विश्व कप फाइनल के प्रदर्शन को याद करते हुए कहा कि उसमें गेंद को पूरी ताकता से खेलने की क्षमताएं हैं।

वहीं ये भी माना कि इतनी कम उम्र में वैभव पर जरुरत से अधिक दबाव न डाला जाये। अश्विन ने कहा कि उन्हें खुलकर क्रिकेट खेलने देना चाहिए। साथ ही कहा कि क्रिकेट करियर में बहुत कम मौके आते हैं जब आप बिना किसी दबाव के खेल का आनंद लेते हैं। वह अभी सिर्फ 15 साल का है। हमें उसे उसी तरह खेलने देना चाहिए।

मुंबई को हराकर अंक तालिका में नंबर एक पर पहुंची आरसीबी

एजेंसी, रायपुर : रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम ने मुम्बई इंडियंस को आईपीएल 2026 के एक रोमांचक मुकाबले में अंतिम गेंद पर हराकर अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। वहीं इस हार के साथ ही मुंबई की टीम अंतिम स्थान पर खिसक गयी है। इस जीत के साथ ही आरसीबी की प्लेऑफ के लिए दावेदारी मजबूत होगी। इस मैच में 167 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए आरसीबी ने अंतिम गेंद पर जीत हासिल की। इसी के साथ ही मुंबई की टीम को11 मैचों में आठवीं हार का सामना करना पड़ा है। इसी के साथ ही मुम्बई की टीम लखनऊ सुपर जायंट्स के बाद प्लेऑफ से बाहर होने वाली दूसरी टीम बन गयी है। वहीं इस जीत के साथ ही आरसीबी के अब सबसे अधिक 14 अंक हो गये हैं और वर नंबर एक पर पहुंच गयी है। वहीं इतने ही अंक लेकर सरनरइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटंस दूसरे और तीसरे नंबर पर हैं क्योंकि इनका नेट रन रेट कम रहा है । इस में आरसीबी को जीत के लिए 15 रनों की जरुर थी। मुंबई की कप्तानी कर रहे सूर्यकुमार यादव ने राज अंगद बावा को ओवर दिया। ओवर की शुरुआत में वाइड और नो-बॉल से हुई, जिससे आरसीबी को आसानी से 5 रन मिल गए।

नेशंस कप को देखते हुए अभ्यास शिविर में तैयारी करेगी भारतीय महिला हॉकी टीम

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय महिला हॉकी टीम को अगले माह न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में 15 से 21 जून तक एफआईएच नेशंस कप में खेलना है। इसके अलावा उसे ओलंपिक क्वालिफिकेशन की भी तैयारी करनी है। इसी को देखते हुए टीम ने एक अभ्यास शिविर लगाया है। ये इसी माह 20 मई तक चलेगा। गौरतलब है कि एफआईएच नेशंस कप जीतने वाली टीम को 2026-27 एफआईएच हॉकी प्रो लीग में सीधे प्रवेश मिलेगा। इसके बाद, प्रो लीग में बेहतर प्रदर्शन करने वाली टीम को लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए सीधे क्वालिफिकेशन हासिल करने का अवस मिलेगा, जिससे भारतीय हॉकी के लिए नेशंव कप काफी अहम है। इसके अलावा, टीम की नजरें अगस्त में बेल्जियम और नीदरलैंड्स में होने वाले एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप 2026 और जापान में सितंबर-अक्टूबर में आयोजित होने वाले 2026 एशियाई खेलों पर भी लगी हैं। मुख्य कोच शॉर्ड मारिन की देखरेख में आयोजित हो रहे इस शिविर में उन्हीं 31 खिलाड़ियों को शामिल किया गया है, जो अप्रैल के पिछले राष्ट्रीय शिविर का हिस्सा थीं। यह टीम प्रबंधन के निरंतर रवैये को दर्शाता है, जहां खिलाड़ियों की फिटनेस स्तर को और बेहतर बनाने, टीम संयोजन को मजबूत करने और तकनी कौशल में सुधार पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

बिजनेस

मोबाइल डेटा जैसी क्रांति लाएगा एआई, ऊर्जा खपत में होगी बड़ी वृद्धि : गौतम अडाणी

एजेंसी, नई दिल्ली

देश के दिग्गज कारोबारी एवं अडाणी समूह के चेयमैन गौतम अडानी ने सोमवार को कहा कि आने वाले दशकों में ऊर्जा सुरक्षा और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर ही भू-राजनीतिक शक्ति को परिभाषित करेंगे। इसके साथ ही उन्होंने भारत से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) वैल्यू चेन में अपनी संप्रभु क्षमताएं विकसित करने का आह्वान किया।

अडाणी ने यहां भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन-2026 में कहा कि एक दशक पहले कुछ ही लोगों ने भारत में मोबाइल डेटा के विस्फोट के पैमाने की कल्पना की थी, लेकिन जैसे ही स्मार्टफोन किफायती हुए, नेटवर्क का विस्तार हुआ, डेटा की कीमतें गिरीं और खपत में जबरदस्त उछाल आया। उन्होंने कहा कि एआई मोबाइल डेटा विस्फोट जैसी क्रांति लाएगा और इससे ऊर्जा की खपत में तेज वृद्धि होगी। अडाणी ने कहा, "एआई भी इसी तरह की वृद्धि लाएगा, लेकिन यह वृद्धि कहीं अधिक ऊर्जा खपत करने वाली होगी। डेटा सेंटर की क्षमता, जिसके 2030 तक 5 गीगावाट तक पहुंचने की उम्मीद है, 2047 तक लगभग 75 गीगावाट तक बढ़ सकती है, इसीलिए भारत को अभी से तैयारी करनी होगी।"

उन्होंने कहा कि भारत आम परिवारों, फैलते शहरों, सक्रिय कारखानों, इलेक्ट्रिक वाहनों और विस्तार की प्रतीक्षा कर रहे लाखों छोटे व्यवसायों के लिए विकास कर रहा है। देश में एक बड़ा फायदा यह है कि हम जो कुछ भी बनाएंगे, उसकी मांग पहले से ही मौजूद होगी। हमारे सामने चुनौती है ऐसी क्षमता का निर्माण करना जो मांग के साथ तालमेल बिठा सके। उन्होंने कहा कि भारत ने एनर्जी सेक्टर में असाधारण प्रगति की है और मार्च 2026 में स्थापित ऊर्जा क्षमता 500 गीगावाट से अधिक हो गई है। बीते 10 वर्षों में स्थापित क्षमता में 53 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि हुई है। भारत अपनी इस क्षमता को 4 गुना तक बढ़ाने के रास्ते पर तेजी से आगे बढ़ रहा है और अगले दो दशक यानी 2047 तक यह 2,000 गीगावाट तक पहुंच जाएगी। अडाणी ने कहा कि देश को 2 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने में 67 वर्ष का समय लगा, लेकिन अगले दो ट्रिलियन डॉलर अगले 12 वर्षों में ही जोड़े गए। भारत तेजी से विकास कर रहा है। हर सड़क, बंदरगाह, हवाई अड्डा, कारखाना, ऊर्जा संसाधन और डेटा सेंटर विकास के अगले स्तर को बढ़ा रहा है। इस रफ्तार से भारत हर दशक में अपने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में एक नई यूरोपीय अर्थव्यवस्था के बराबर वृद्धि करेगा। उन्होंने कहा कि भविष्य अपने आप नहीं आता। उसे बनाना पड़ता है। अगली आजादी की लड़ाई, हमारे ग्रिड, हमारे डेटा सेंटर, हमारी फ़ैक्टरियों, हमारी क्लासरूम, हमारी लैब्स और हमारे दिमाग़ में लड़ी जाएगी। आज एआई के दौर में आज़ादी का मतलब होगा "खुद को पावर देने, खुद के लिए कंप्यूट करने और खुद के लिए सपने देखने की काबिलियत।

ऑनलाइन इंस्ट्रूमेंट्स ने आईपीओ के लिए सेबी के समक्ष डीएचआरपी दाखिल किया

एजेंसी, नई दिल्ली

बेंगलुरु की कंपनी ऑनलाइन इंस्ट्रूमेंट्स (इंडिया) लिमिटेड ने पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए प्रारंभिक दस्तावेज दाखिल किए हैं। कंपनी का लक्ष्य आईपीओ के जरिये 750 करोड़ रुपये जुटाना है। सेबी के समक्ष ऑनलाइन इंस्ट्रूमेंट्स की जमा आईपीओ दस्तावेज के अनुसार 2 रुपये फेस वैल्यू वाला यह आईपीओ 750 करोड़ रुपये तक का एक नया ईश्यू है। इस निर्गम में प्रोमोट्रॉन अनंत महेश बेलाड और राजेश्वरी शिवानंद महाशेट्टी द्वारा 750 करोड़ रुपये के नए शेयर और 57.10 लाख शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है। कंपनी के अनुसार ऑनलाइन इंस्ट्रूमेंट्स इंडिया लिमिटेड अपने नए निर्गम से प्राप्त राशि में से 160 करोड़ रुपये का उपयोग कुछ ऋणों के पुनर्भुगतान या पूर्व-भुगतान के लिए करेगी। इसके अलावा 330 करोड़ रुपये कार्यशील पूंजी की जरूरतों को पूरा करने में लगाए जाएंगे, जबकि शेष राशि संभावित अधिग्रहण और सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल होगी।

प्रधानमंत्री के सात सूत्र देश की अर्थव्यवस्था के लिए जरूरीः खंडेलवाल

एजेंसी, नई दिल्ली

कारोबारी संगठन कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री एवं सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने वैश्विक ऊर्जा संकट के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की देशवासियों से सात सूत्री अपील का स्वागत किया है। खंडेलवाल ने सोमवार को एक बयान में कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में भारत की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ रहे और आम लोगों को कोई परेशानी न हो, उसको देखते हुए प्रधानमंत्री ने देश को एक सात सूत्री संकल्प लेने का आह्वान किया है जिस पर अमल करने से देश की स्थिति मजबूत होगी। प्रधानमंत्री ने यह आह्वान कल हैदराबाद में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए किया था।

सामानों की आवाजाही के लिए रेलवे परिवहन को प्राथमिकता देने के प्रधानमंत्री के आह्वान के अनुरूप खंडेलवाल ने आज रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र भेजकर कहा कि प्रधानमंत्री का यह सुझाव बढ़ती ईंधन खपत, यातायात दबाव, पर्यावरणीय चुनौतियों तथा देश की लॉजिस्टिक्स व्यवस्था को मजबूत करने की आवश्यकता के मद्देनज़र अत्यंत प्रासंगिक और समयानुकूल है। उन्होंने मोदी सरकार में भारतीय रेल में हुए व्यापक परिवर्तन और आधुनिकीकरण की सराहना करते हुए कहा कि रेलवे में आधारभूत संरचना, विद्युतीकरण, फ्रेट कॉरिडोर, तकनीकी एकीकरण, स्टेशन पुनर्विकास, स्वच्छता, सुरक्षा मानकों, समयबद्धता और संचालन क्षमता में उल्लेखनीय सुधार हुए हैं, जिससे भारतीय रेल के प्रति जनता का विश्वास बढ़ा है और रेलवे देश की आर्थिक प्रगति का एक मजबूत आधार बना है। उन्होंने कहा कि रेल परिवहन माल ढुलाई का सबसे किफायती, पर्यावरण अनुकूल और प्रभावी माध्यम है। यदि बड़े स्तर पर सड़क से माल परिवहन रेलवे की ओर स्थानांतरित होता है तो इससे पेट्रोल और डीजल की खपत में भारी कमी आएगी, लॉजिस्टिक्स लागत घटेगी, प्रदूषण कम होगा, राजमार्गों पर दबाव कम पड़ेगा तथा एक हरित और मजबूत भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। हालांकि, खंडेलवाल ने यह भी कहा कि रेलवे में सुधारों के बावजूद देशभर के व्यापारियों और एमएसएमई इकाइयों को रेलवे फ्रेट और पार्सल सेवाओं के उपयोग में अनेक व्यावहारिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसके कारण व्यापारी रेल परिवहन को अपनाने से हिचकते हैं और उन्हें अपेक्षाकृत महंगे सड़क परिवहन पर निर्भर रहना पड़ता है। खंडेलवाल ने पत्र में रेल मंत्री से रेलवे फ्रेट प्रणाली में व्यापक सुधार करने की मांग करते हुए कहा कि फ्रेट बुकिंग प्रक्रिया को पारदर्शी और डिजिटल बनाया जाए, डिलीवरी व्यवस्था में जवाबदेही तय की जाए, व्यापारियों के लिए फ्रेट सुविधा केंद्र स्थापित किए जाएं, कंसाइनमेंट की रियल टाइम ट्रैकिंग की व्यवस्था हो, फ्रेट दरों को तर्कसंगत बनाया जाए, पार्सल वैन क्षमता बढ़ाई जाए, आधुनिक लोडिंग-अनलोडिंग इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जाए।

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार पर दबाव, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

एजेंसी, नई दिल्ली

नई दिल्ली । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के नए शांति प्रस्ताव को खारिज कर देने के कारण पश्चिम एशिया में जारी तनाव के शीघ्र खत्म होने की संभावना काफी कम हो गई है। इसकी वजह से कच्चे तेल की कीमत में एक बार फिर तेजी आ गई है, जिससे दुनिया भर के बाजार पर दबाव बन गया है। घरेलू शेयर बाजार में भी आज शुरुआती कारोबार के दौरान गिरावट का रुख बना हुआ है। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के कुछ देर बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की, लेकिन थोड़ी देर बाद ही बिकवालों ने अपना दबाव बना दिया। लगातार हो रही बिकवाली से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की कमजोरी बढ़ती चली गई। सुबह 11 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 1.31 प्रतिशत और निफ्टी 1.18 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। 11 बजे तक का कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, सन फार्मास्युटिकल्स, कोल इंडिया, मैक्स हेल्थकेयर और एचसीएल टेक्नोलॉजी के शेयर 3.26 प्रतिशत से लेकर 0.59 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, टाइटन कंपनी, इंटर ग्लोबल एवियशन, एसबीआई, एटरनल और भारती एयरटेल के शेयर 7.05 प्रतिशत से लेकर 3.08 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,839 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 708 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 2,131 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, फीकी पड़ी सोना और चांदी की चमक

एजेंसी, नई दिल्ली

नई दिल्ली । घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सांकेतिक कमजोरी का रुख नजर आ रहा है। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,52,340 रुपये से लेकर 1,54,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,39,640 रुपये से लेकर 1,41,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं चांदी की कीमत में भी गिरावट आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु आज शुरुआती कारोबार के दौरान 2,74,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,52,490 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,39,790 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,52,340 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,52,390 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,39,690 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

वैल्यू 148 कम्युनिकेशंस की स्टॉक मार्केट में कमजोर लिस्टिंग, अपर सर्किट के बावजूद घाटे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी, नई दिल्ली

मार्केटिंग और पीआर सॉल्यूशन कंपनी वैल्यू 360 कम्युनिकेशंस के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त गिरावट के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 98 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 20 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 78.40 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 82.30 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गया। अपर सर्किट लगने के बावजूद कंपनी के आईपीओ निवेशक फिलहाल 16.02 प्रतिशत के नुकसान में थे। वैल्यू 360 कम्युनिकेशंस का 41.69 करोड़ रुपये का आईपीओ चार से छह मई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.20 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 17 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.24 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन सिर्फ 0.77 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 37 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 4,24,800 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं।

रश्मिका ने 'माइसा' की शूटिंग पूरी होने पर जताई खुशी

अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'माइसा' की शूटिंग बॉलीवुड अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने केरल में पूरी कर ली है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह फिल्म की टीम के साथ मुस्कुराते हुए नजर आ रही हैं। शूटिंग की थकान के बावजूद वीडियो में पूरी टीम के चेहरे पर काम पूरा होने की खुशी साफ दिखाई दे रही है। रश्मिका मंदाना ने वीडियो साझा करते हुए लिखा कि केरल में फिल्म का लंबा शेड्यूल सफलतापूर्वक पूरा हो गया है। उन्होंने टीम की मेहनत की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रोजेक्ट को संभव बनाने में सभी लोगों ने काफी मेहनत की है। अभिनेत्री ने सभी का दिल से धन्यवाद करते हुए कहा कि वह जल्द ही दोबारा फिल्म के सेट पर वापसी करेंगी। बताया जा रहा है कि फिल्म 'माइसा' में रश्मिका मंदाना का किरदार उनके अब तक के निभाए गए किरदारों से काफी अलग और चुनौतीपूर्ण होगा।

फिल्म के कई महत्वपूर्ण दृश्य केरल की खूबसूरत लोकेशनों पर फिल्माए गए हैं। रश्मिका ने अपने पोस्ट में फिल्म के निर्देशक रविंद्र पुल्ले और प्रोडक्शन हाउस 'अनफॉर्मूला फिल्म्स' को भी टैग करते हुए इस अनुभव को खास बताया। 'माइसा' एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जिसमें रश्मिका मंदाना गोंड जनजाति की महिला के किरदार में दिखाई देंगी। फिल्म का निर्देशन रविंद्र पुल्ले कर रहे हैं, जबकि अजय और अनिल सैय्यापुरेड्डी ने इसे अपने बैनर 'अनफॉर्मूला फिल्म्स' के तहत प्रोड्यूस किया है। निर्माताओं के अनुसार फिल्म को बड़े स्तर पर तैयार किया जा रहा है और इसमें एक्शन के साथ दमदार भावनात्मक कहानी भी देखने को मिलेगी। फिल्म को हिंदी के अलावा तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। हालांकि अभी तक फिल्म की रिलीज तारीख की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन दर्शकों के बीच इसे लेकर काफी उत्साह बना हुआ है। 'माइसा' के अलावा रश्मिका मंदाना अपनी दूसरी बड़ी फिल्मों को लेकर भी चर्चा में हैं। वह जल्द ही शाहिद कपूर और कृति सेनन के साथ फिल्म 'कॉकटेल-2' में नजर आएंगी। यह फिल्म साल 2012 में आई सुपरहिट फिल्म 'कॉकटेल' का सीक्वल है। जानकारी के अनुसार यह फिल्म 19 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म 'कॉकटेल-2' का निर्देशन होमी अदजानिया कर रहे हैं।

फिल्म पति पत्नी और वो 2 से जारी हुआ धमाकेदार गाना

रैपर बादशाह ने बांधा समां

आयुष्मान खुराना अपनी पत्नी और प्रेमिकाओं के साथ 15 मई को सिनेमाघरों में आ रहे हैं। जी हां, यहां बात उनकी आगामी फिल्म पति पत्नी और वो 2 की हो रही है, जिसमें सारा अली खान, रकुल प्रीत सिंह और वामिका गब्बी हैं। इन तीनों के बीच में आयुष्मान बेचारा पति बनकर फंसे हुए हैं। खैर ट्रेलर पहले से लोगों को फिल्म देखने के लिए उत्साहित कर चुका है। अब एक धमाकेदार गाना भी आ गया है। गाने का नाम हमने वहीं लगाया दिल है, जिसे टी-सीरीज के यूट्यूब चैनल पर स्ट्रीम किया गया है। रैपर बादशाह ने हितेन के साथ मिलकर इसे कंपोज किया है। हालांकि गाने में रैप और संगीत उन्होंने अकेले दिया है। आवाज 2 भाइयों, कृष मंडल और किशोर मंडल की है जो यूट्यूब पर वायरल गायकों में से एक हैं। इसमें उनका साथ इप्सिता ने दिया है। जोशीले संगीत वाला यह गाना लोगों को काफी पसंद आ रहा है। बता दें कि पति पत्नि और वो नाम की पहली फिल्म साल 2019 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में कार्तिक आर्यन के साथ भूमि पेडनेकर और अनन्या पांडे ने लीड रोल निभाया था। ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही थी और लोगों को खूब पसंद आई थी। बॉक्स ऑफिस पर सफलता के बाद अब इसी तरह की एक और फिल्म रिलीज के लिए तैयार है। 15 मई को रिलीज होने वाली इस फिल्म से मेकर्स को अच्छी उम्मीदें हैं। अब देखना होगा कि क्या ये फिल्म भी कमाई के मामले में कुछ कमाल कर पाती है या नहीं। ट्रेलर रिलीज होते ही फैन्स का भी इंतजार खत्म हो गया है। फिल्म के ट्रेलर में इसकी कहानी की भी झलक देखने को मिल रही है। फिल्म में दमदार कॉमेडी देखने को मिलने वाली है। विजय राज जैसे कमाल के कलाकार भी इस फिल्म में अपनी दमदार एक्टिंग का जलवा दिखाते नजर आने वाले हैं।

शाहिद कपूर की कॉमेडी फिल्म तैयार, पहली बार जाह्नवी कपूर के साथ करेंगे रोमांस

बॉलीवुड गलियारों से एक ऐसी खबर सामने आ रही है, जिसने प्रशंसकों के उत्साह को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है। दरअसल, शाहिद कपूर को अब अपनी अगली फिल्म के लिए नई हीरोइन मिल गई है। चर्चा है कि बधाई हो जैसी सुपरहिट फिल्म देने वाले निर्देशन अमित शर्मा ने अपनी अगली बड़े बजट की फिल्म के लिए जाह्नवी कपूर से संपर्क किया है। पर्दे पर पहली बार शाहिद और जाह्नवी की जोड़ी देखने को मिलेगी। रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म में शाहिद के अपोजिट लीड रोल निभाने के लिए जाह्नवी से बातचीत अंतिम चरण में है। बधाई हो और मैदान जैसी फिल्में देने वाले निर्देशक अमित शर्मा इस फिल्म का निर्देशन करेंगे। ये एक रिलेशनशिप कॉमेडी फिल्म होगी, जो प्यार और रिश्तों पर आज के युवाओं के नजरिए को एक नए और मजेदार अंदाज में पेश करेगी। अगर बात बन गई ये पहला मौका होगा, जब शाहिद और जाह्नवी की केमिस्ट्री दर्शकों को देखने को मिलेगी। इस फिल्म की कहानी एक बहुत ही मजेदार और आम लोगों से जुड़ी प्रेम कहानी के इर्द-गिर्द घूमती है। ये पूरी तरह से एक जबरदस्त कॉमेडी फिल्म होगी। शाहिद भी काफी समय बाद इस तरह के मजेदार विषय पर लौट रहे हैं और वो इसे लेकर बेहद उत्साहित हैं। गंभीर भूमिकाएं निभाने के बाद दर्शकों को एक बार फिर पर्दे पर शाहिद का वही पुराना मजाकिया और बेमिसाल अंदाज देखने को मिलेगा। अमित शर्मा अपनी कहानियों में कॉमेडी और भावनाओं का बेहतरीन तालमेल बिठाने में माहिर हैं।

यही वजह है कि शाहिद-जाह्नवी की इस नई जोड़ी को लेकर काफी उम्मीदें जताई जा रही हैं। खबरों की मानें तो ये फिल्म अक्टूबर 2026 में शुरू हो सकती है। शाहिद फिलहाल राज और डीके की वेब सीरीज फर्जी 2 की शूटिंग में व्यस्त हैं और उसे पूरा करने के बाद ही इस प्रोजेक्ट पर काम शुरू करेंगे। फिलहाल फिल्म की तैयारियां जोरों पर हैं। अगर सब कुछ योजना के अनुसार रहा तो इस साल के अंत तक फिल्म की शूटिंग शुरू हो जाएगी और इसे 2027 में रिलीज करने का लक्ष्य रखा गया है। सभी चीजें सही बैठीं तो बॉलीवुड की ये नई जोड़ी बड़े पर्दे पर धमाल मचा देगी। उधर जाह्नवी फिलहाल अपनी आने वाली फिल्म पेड्डी में व्यस्त हैं, जिसमें वो दक्षिण भारतीय सिनेमा के सुपरस्टार राम चरण के साथ नजर आने वाली हैं।

कपिल शर्मा और नीतू कपूर की फिल्म का पहले दिन बुरा हाल, जोरदार प्रमोशन के बाद भी नहीं कमा पाई एक करोड़

मशहूर कॉमेडियन कपिल शर्मा और नीतू कपूर की फिल्म का पूरे कपूर खानदान ने बहुत ही जोर शोर से प्रमोशन किया. लेकिन बॉक्स ऑफिस पर दादी की शादी की हालत खराब नज़र आ रही है. इस फिल्म को ऑडियंस नहीं मिल रही है. फिल्म के पहले दिन फिल्म का कलेक्शन बहुत ही कम रहा है. शुक्रवार को जब ये फिल्म रिलीज हुई तो ऐसा माना जा रहा था कि कपिल शर्मा की फैन फॉलोइंग इसे एक अच्छी ओपनिंग दिलाएगी. नीतू कूपर ने भी जमकर प्रचार किया. फिल्म के प्रीमियर पर नीतू कपूर के बेटे रणबीर कपूर और आलिया भट्ट भी पहुंचे. रेखा से लेकर आमिर खान तक ने फिल्म की खूब तारीफ की. हालांकि, बॉक्स ऑफिस के आंकड़े कुछ और ही कहानी कह रहे हैं. दादी की शादी ने शुक्रवार को सिर्फ 60 लाख रुपये का कलेक्शन किया है. सैकनिक की रिपोर्ट के मुताबिक ये फिल्म एक करोड़ के आसपास भी नहीं पहुंची. फिल्म की कुल ऑक्यूपेंसी 9त्न रही है. इस फिल्म के जरिए रणबीर कपूर की बहन रिद्धिमा कपूर साहनी ने एक्टिंग में डेब्यू किया है. इस फिल्म से उन्हें काफी उम्मीदें थीं. वो इससे पहले वेब सीरीज फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइफ में नजर आ चुकी हैं. रिपोर्ट के अनुसार, दादी की शादी का बजट 45 करोड़ रुपये बताया जा रहा है. अब देखना होगा कि ये आने वाले दिनों में बॉक्स ऑफिस पर कैसा परफॉर्म करती है. फिल्म दादी की शादी में सरथ कुमार, निखत हेगड़े, तेजस्विनी कोल्हापुरे और सादिया खतीब जैसे एक्टर्स भी नजर आ रहे हैं. इस फिल्म के डायरेक्टर आशीष आर. मोहन हैं. फिल्म की कहानी भी इन्होंने ही लिखी है.

बॉक्स ऑफिस पर राजा शिवाजी की दहाड़ जारी

लाखों में सिमटी धुरंधर 2 और पैट्रियट की कमाई

बॉक्स ऑफिस पर फिल्मों का क्लैश होना आम बात है. इस शुक्रवार को भी जबरदस्त टक्कर देखने के लिए मिली. राजा शिवाजी के आगे नई रिलीज फिल्में दादी की शादी और कृष्णावतारम पार्ट 1 तक का सिक्का नहीं चल पाया. दोनों ही फिल्में धराशायी हो गईं. इसके साथ ही भूत बंगला और धुरंधर 2 के साथ ही पैट्रियट भी शुक्रवार को दम नहीं दिखा पाईं. राजा शिवाजी केवल दो भाषाओं में कलेक्शन कर रही है. इस फिल्म को हिंदी और मराठी में रिलीज किया गया है और दर्शकों से इसे जबरदस्त रिस्पांस मिला. 8वें दिन भी फिल्म कमाल का प्रदर्शन कर रही है. जहां सबकी कमाई लाखों में सिमटी है वहीं, इसकी कमाई करोड़ों में रही.

- सैकनिल्क के अनुसार, राजा शिवाजी ने 8वें दिन यानी कि दूसरे शुक्रवार को 3.20 करोड़ का बिजनेस किया. फिल्म ने हिंदी में 70 लाख और मराठी में 2.50 करोड़ की कमाई की है. फिल्म ने पहले हफ्ते में 55.85 करोड़ का बिजनेस किया था. बहरहाल, अगर धुरंधर 2 और पैट्रियट की कमाई की बात की जाए तो दोनों की कमाई अब लाखों की डिजिट में सिमटने लगी है. सैकनिल्क के अनुसार, मोहनलाल की फिल्म पैट्रियट ने 8वें दिन 67 लाख रुपये का कलेक्शन किया और इसकी कुल ऑक्यपेंसी 14.0 प्रतिशत दर्ज की गई है. फिल्म का टोटल कलेक्शन 27.65 करोड़ हो चुका है. इसके साथ ही आदित्य धर की फिल्म धुरंधर 2 की कमाई के बारे में बता करें तो सैकनिल्क के अनुसार, फिल्म ने 51वें दिन यानी कि 8वें शुक्रवार को 42 लाख का बिजनेस किया, जिस पर 16.4 प्रतिशत ऑक्यूपेंसी दर्ज की गई. फिल्म 1,141.09 करोड़ (इंडिया नेट कलेक्शन) कर चुकी है.

माइक्रोवेव में आसानी से बनाएं स्वादिष्ट पोहा

आसान है इसकी रेसिपी

पोहा एक स्वादिष्ट और पौष्टिक नाश्ता है, जिसे सुबह के समय खाना पसंद किया जाता है। इसे बनाने में ज्यादा समय नहीं लगता और यह जल्दी तैयार हो जाता है। अगर आपके पास समय की कमी है, तो आप माइक्रोवेव का उपयोग करके पोहा आसानी से बना सकते हैं। आइए जानते हैं माइक्रोवेव में पोहा बनाने का तरीका, जिससे आप कुछ ही मिनटों में स्वादिष्ट पोहा तैयार कर सकते हैं। पोहा बनाने के लिए आपको पतला चावल, प्याज, हरी मिर्च, हल्दी पाउडर, नमक, नींबू का रस, मूंगफली, करी पत्ता और हरा धनिया जैसी चीजों की जरूरत होगी। इसके अलावा आप अपनी पसंद की सब्जियां जैसे मटर, गाजर या शिमला मिर्च भी मिला सकते हैं। इन सामग्रियों से आप एक पौष्टिक और स्वादिष्ट नाश्ता बना सकते हैं, जो न केवल पेट को भरेगा बल्कि सेहत के लिए भी फायदेमंद होगा। माइक्रोवेव में पोहा बनाने के लिए सबसे पहले पोहे को पानी में भिगो दें। इसके लिए एक बड़े बर्तन में पोहे डालकर उस पर पानी डालें और उन्हें 5-10 मिनट तक भिगोने दें। इससे पोहे नरम हो जाएंगे और पकाने में आसानी होगी। ध्यान रखें कि पोहे को ज्यादा देर तक पानी में न रखें, क्योंकि इससे वे चिपचिपे हो सकते हैं और स्वाद खराब हो सकता है। अब माइक्रोवेव के बर्तन में थोड़ा तेल डालकर उसे गर्म करें, फिर उसमें कटा हुआ प्याज डालें और उसे 1-2 मिनट तक भूनें जब तक कि वह नरम न हो जाए। इसके बाद इसमें कटी हुई हरी मिर्च और हल्दी पाउडर डालकर अच्छी तरह मिलाएं। इस मिश्रण को 2-3 मिनट तक माइक्रोवेव में पकाएं ताकि सभी मसाले अच्छी तरह से मिल जाएं और उनकी खुशबू निकलने लगे। अब भिगोए हुए पोहे को छानकर माइक्रोवेव के बर्तन में तैयार प्याज वाले मिश्रण में डालें और अच्छे से मिलाएं। इसके बाद इस मिश्रण पर नींबू का रस निचोड़ें और ऊपर से भुनी हुई मूंगफली डालें। मूंगफली पोहे को एक कुरकुरापन देती है, जिससे इसका स्वाद और भी बढ़ जाता है। आप चाहें तो इसमें और भी सब्जियां डाल सकते हैं, जैसे मटर, गाजर या शिमला मिर्च, जिससे पोहा और भी पौष्टिक बन जाएगा। अब माइक्रोवेव को मध्यम आंच पर सेट करके उसमें तैयार पोहे को 2-3 मिनट तक गर्म करें, ताकि सभी मसाले अच्छे से मिल जाएं। इसके बाद इसे एक प्लेट में निकालकर ऊपर से हरा धनिया डालकर सजाएं और गर्मागर्म परोसें। इस तरह से आप आसानी से माइक्रोवेव में स्वादिष्ट पोहा तैयार कर सकते हैं, जो न केवल स्वादिष्ट है बल्कि सेहत के लिए भी अच्छा है। इसे अपने परिवार और दोस्तों के साथ जरूर साझा करें।

'Will continue to work with Tamil Nadu government'

PM Modi congratulates Vijay on taking oath as chief minister

New DElhi, Agency: Prime Minister Narendra Modi on Sunday congratulated Vijay on taking oath as the chief minister of Tamil Nadu, and said the Centre would continue working with the state government for the welfare of the people.

"Congratulations to Thiru C. Joseph Vijay on taking oath as Tamil Nadu Chief Minister. Best wishes for his tenure ahead. The Central Government will keep working with the Tamil Nadu Government to improve the lives of people," PM Modi said through a post on X.

C Joseph Vijay, chief of TVK and leader of its Legislature Party, was sworn in as the chief minister of Tamil Nadu on Sunday in a colourful ceremony at the Jawaharlal Nehru Stadium. Rajendra Vishwanath Arlekar administered the oath of office and secrecy to Vijay during the event.

Apart from Vijay, nine other leaders from TVK, N Anand, Aadhav Arjuna, K A Sengottaiyan, K G Arunraj, P Venkataramanan, R Nirmalkumar, Rajmohan, T K Prabhu, and S Keerthana, were sworn in as ministers in the party's first Cabinet. Ahead of the ceremony, Vijay welcomed Governor Rajendra Vishwanath Arlekar at the venue and introduced him to the ministers-designate.

The 2026 Tamil Nadu Assembly elections marked a major political shift in the state, with TVK winning 108 of the 234 seats in its electoral debut.

Mother's Day: After losing 2 sons, army jawan's wife donates part of her liver to save 8-year-old son

New Delhi, Agency: After losing her two elder sons to a rare genetic disorder, the wife of an Army personnel from Jammu and Kashmir donated a part of her liver to save her youngest child, an eight-year-old boy suffering from severe liver failure due to Wilson's disease. The story of the mother's sacrifice was shared by doctors ahead of Mother's Day.

Badal Choudhary, a Class 4 student, was suffering from Wilson's disease, a rare inherited disorder in which excessive copper builds up in the body, severely damaging organs such as the liver and brain if left untreated. Doctors at Marengo Asia Hospitals, Faridabad, said the child was brought to the hospital in critical condition after treatment elsewhere failed to improve his health. His jaundice had become extremely severe and his abdomen was filled with infected fluid.

Dr Punit Singla, program clinical director and head of liver transplant and HPB Surgery at the hospital, said the child's jaundice had become extremely severe and blood tests showed his liver was failing, making an immediate liver transplant necessary. "The family had already lost two sons to the same disease and was devastated seeing their third child battling for life," he said.

With no time to lose, the child's 40-year-old mother, Renu Choudhary, volunteered to donate a portion of her liver after being found medically fit for transplant.

Doctors performed the complex liver transplant surgery in December 2025, a procedure that lasted nearly 12 to 13 hours. A small portion of the mother's liver was transplanted into the child. Both mother and son recovered successfully after the surgery and the child was discharged three weeks later. Doctors said Badal is now healthy and living a normal life. Wilson's disease is considered rare and is often difficult to diagnose in the early stages because symptoms can mimic other liver and neurological disorders.

20,000 Indian seafarers caught in Gulf turmoil: Mariners' body flags alarm

New Delhi, Agency: Over 20,000 Indian seafarers are staring at a humanitarian nightmare in the Gulf and Strait of Hormuz amid escalating tensions, with fears of conflict spillover trapping vessels and leaving crews stranded without food, medicine or escape routes, said National Union of Seafarers of India (NUSI), one of the country's oldest maritime unions. The body has urged the govt to treat the crisis as a "national priority and activate urgent evacuation protocols". The 20,000-plus Indian seafarers-drawn from the massive scale of Indian manpower in the region-remains fluid, as crews rotate daily based on vessel schedules, port curbs, flag states, and security alerts.

CBI searches at 17 sites in cases linked to ADAG

New Delhi, Agency: Central Bureau of Investigation (CBI) on Saturday conducted searches at 17 locations in Mumbai in connection with three cases registered against Reliance ADA Group companies, Reliance Telecom Limited, Reliance Commercial Finance Limited and Reliance Home Finance Limited and their directors. According to CBI, the searches were carried out at the residential premises of directors of the companies and offices of intermediary firms allegedly used for diversion of bank funds. The searches were conducted on the basis of warrants issued on May 8 by a special CBI court in Mumbai. CBI said incriminating documents were seized during the searches. Investigators also found that multiple intermediary companies were allegedly operating from the same address.

Another lost trekking season in Kashmir

Srinagar, Agency: For nearly two decades, adventure tourism transformed Kashmir's mountains into a magnet for high-end domestic tourists and foreign visitors. Trekkers crossed alpine meadows, glacier-fed valleys and mountaineers climbed Kolahoi peak, turning the sector into one of the Valley's fastest-growing tourism industries. Much of that activity has now fallen silent. After last year's Pahalgam terror attack and Operation Sindoor, all trekking routes across Kashmir have been closed, bringing the Valley's once-booming adventure tourism industry to a near standstill.

"Adventure tourism picked up in Kashmir in a major way over the past two decades and became an essential part of Kashmir tourism. But for the past year, it is dead," Rouf Tramboo, president of the winter games association and well-known mountaineer of the Valley, said.

From his office overlooking Dal Lake, Tramboo said the govt promoted trekking in a big way in the past six years, encouraging local entrepreneurs to invest heavily in camping equipment, trekking logistics and mountaineering infrastructure. A tourism department official said the govt opened up more trekking routes in the Valley after Article 370's abrogation, taking the number to 75. Even forest huts were made available for visitors.

Why hair loss despite 'normal' tests

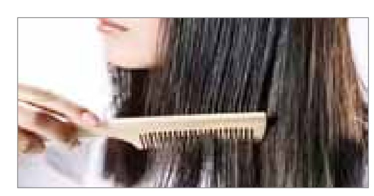

New Delhi, Agency: Losing hair despite "normal" blood work is a common frustration for many women. Doctors say the answer may not lie in routine reports-but in what's happening inside the scalp. For female pattern alopecia, patients are typically advised a battery of tests-testosterone, free androgen index, thyroid function and nutritional work-ups such as vitamin levels. Yet, these often come back normal, leaving both patients and clinicians without clear answers. A study, published in an international journal of dermatology now offers an explanation.

Researchers from Delhi's Ram Manohar Lohia Hospital found that women with female pattern hair loss had significantly higher levels of a hormone marker called 3?-diol G-even when standard hormones like testosterone remained within normal range.Female pattern hair loss, which causes gradual thinning over the front and top of the scalp, affects a large number of women and often takes a toll on confidence.

Koli women chart new waters set up seafood company

New Delhi, Agency: It's a Thursday morning, and three directors and several shareholders of a seafood company are gathered around a conference table, absorbed in a presentation on food packaging. "Good packaging adds value to a product; it can even fetch a higher price," says the instructor at the Indian Institute of Packaging, in Marathi. As the directors nod, the silver tinsel in the pechak-che gajre in their hair and the gold naths in their noses gleam. The Koli women have never attended a workshop. Nor have they ever worked for a company - let alone run one. Yet they are directors of Daryavardi Producer Company Limited (DPCL), Mumbai's first fish farmer producer organisation: a community-owned enterprise led entirely by Koli women that aims to transform their fish-vending trade from a cottage industry to a corporate venture.

They already have 1,000 shareholders from the community. Besides delivering fish, masalas and snacks, they are diversifying into running live food counters and selling online. A community kitchen is up, a cloud kitchen is in the works, and exports are being explored.

April marked three years since company's formation. "We didn't realise packaging affects shelf life; we always sold fish in polythene bags," says Pratibha Patil, a director from Juhu Koliwada.

Bengal: Cultural symbolism marks milestone moment in history

kolkata, Agency: PM Modi touching the feet of a nonagenarian BJP member and then kneeling down in gratitude to the surging crowd at Brigade Ground, an image of Goddess Durga as the backdrop on the dais, and CM Suvendu Adhikari dressed in a gerua (saffron) kurta - the oath-taking of BJP's first govt in West Bengal was marked by a medley of symbolism.

If the Bengal assembly polls wrote history, BJP went to great lengths to acknowledge the ingredients which went into the making of this history as its maiden govt was sworn in. The emotional weight of the moment showed. After taking oath, Suvendu bowed to Modi, who has a dislike to people touching his feet, and lingered in the bent pose for a while as the PM clasped his folded hands with one hand and smilingly patted his back with another. He then held him tightly as the crowd roared. Suvendu reserved a similar gesture, though for a briefer while amid the row of dignitaries, for home minister Amit Shah, the lynchpin of BJP's winning strategy. Since he quit TMC to join BJP in Shah's presence in 2020, the home minister backed him for leading BJP's ground resistance against the Mamata Banerjee govt despite the occasional grumblings from the organisation's old guard. A faith that paid off.

But the milestone event was also an occasion to acknowledge the long toil of veterans. Dilip Ghosh, a former RSS pracharak and ex-state BJP chief who at times felt hard done by as a new crop of netas emerged, was the first minister to take oath after Suvendu, a nod to his decades-long dedication to the saffron cause. Modi also met family members of a few of the BJP members who were killed in alleged political violence over the decades.

BJP's choice of five ministers attested to the party's diverse social and regional support in the polls.

While Suvendu is a Brahmin, Ghosh is an OBC, Ashok Kirtania, Kshudiram Tudu and Nishit Pramanik come from Matua, tribal and Rajbonshi communities. The lone woman member, Agnimitra Paul, is a Kayastha.